सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivahan_Vishesh
You Tube
Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 01, अंक 323, नई दिल्ली । गुरुवार, 01 फरवरी 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

सफलता की ख़ुशी मनाना अच्छा है पर उससे जरूरी है अपनी असफलता से सीख लेना।

03 दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में बारिश से बदला मौसम
06 आवश्यक है यूनिफॉर्म ड्रेस कोड
08 पुलीस मित्र संगठन भारत की तरफ से रक्तदान शिविर का आयोजन

नई दिल्ली में पार्किंग फीस को लेकर नया अपडेट

एनडीएमसी ने निजी वाहनों के लिए क्या कहा

पिछले साल नवंबर में एनडीएमसी ने अपने द्वारा प्रबंधित 39 साइटों पर पार्किंग शुल्क दोगुना कर दिया था।

संजय बाटला

अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि NDMC ने लोगों को निजी वाहनों का उपयोग करने से हतोत्साहित करने के लिए पार्किंग शुल्क (Parking Fee) बढ़ाने के आदेश को 30 अप्रैल तक बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि नगर निकाय ने दिल्ली में लागू ग्रेप-2 (GRAP) प्रतिबंधों के मद्देनजर यह निर्णय लिया है। पिछले साल नवंबर में एनडीएमसी ने अपने द्वारा प्रबंधित 39 साइटों पर पार्किंग शुल्क दोगुना कर दिया था।

नई दिल्ली। अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (NDMC) ने लोगों को निजी वाहनों का उपयोग करने से हतोत्साहित करने के लिए पार्किंग शुल्क (Parking Fee) बढ़ाने के आदेश को 30 अप्रैल तक बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि नगर निकाय ने दिल्ली में लागू ग्रेप-2 (GRAP) प्रतिबंधों के मद्देनजर यह निर्णय लिया है।

पिछले साल नवंबर में एनडीएमसी ने अपने द्वारा प्रबंधित 39 साइटों पर पार्किंग शुल्क दोगुना कर दिया था। इसके बाद, पार्किंग ठेकेदारों द्वारा प्रबंधित शेष 91 साइटों के लिए शुल्क दोगुना कर दिया गया।

एक अधिकारी ने कहा कि बढ़ी हुई दरें 31 जनवरी तक लागू रहने वाली थीं, लेकिन अब 30 अप्रैल तक या वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा GRAP-II आदेश वापस लेने तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेंगी।

ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (GRAP) के चरण दो के तहत

होटल, रेस्तरां और खुले भोजनालयों और डीजल जनरेटर में आवश्यक सेवाओं को छोड़कर कोयले और जलाऊ लकड़ी के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इससे वायु प्रदूषण होता है।

परिवहन विशेष
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र
Title Code : DELHIN28985
PARIVAHAN VISHESH NEWS
1. Web Portal https://www.newsparivahan.com/
2. facebook https://www.facebook.com/newsparivahan00
3. Twitter https://twitter.com/newsparivahan
4. Linkedin https://www.linkedin.com/in/news-parivahan-169680298/
5. Instagram https://www.instagram.com/news_parivahan/
6. Youtube https://www.youtube.com/@NewsParivahan
पर आप सभी के लिए 24 घण्टे उपलब्ध
3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, A-4 पश्चिम विहार, नई दिल्ली : 110063
सम्पर्क : 9212122095, 9811732095
www.newsparivahan.com, www.newstransport.in
Info@newsparivahan. com, news@newsparivahan.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

दिल्ली में कोहरे का कहर, सड़क हादसों में दो की मौत; जीटी-करनाल हाईवे पर चालक को कुचला

परिवहन विशेष न्यूज

बाहरी-उत्तरी जिला में कोहरे के कारण दो अलग-अलग सड़क हादसे में दो युवक की जान चली गई। जीटी करनाल हाई-वे पर अलीपुर के पास बुधवार तड़के अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक चालक की मौत हो गई। वहीं शाहबाद डेरी थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर रात एक ट्रैक्टर चालक ने एक युवक को जोरदार टक्कर मार दी।

नई दिल्ली। बाहरी-उत्तरी जिला में कोहरे के कारण दो अलग-अलग सड़क हादसे में दो युवक की जान चली गई। जीटी करनाल हाई-वे पर अलीपुर के पास बुधवार तड़के अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक चालक की मौत हो गई।

वहीं, शाहबाद डेरी थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर रात एक ट्रैक्टर चालक ने एक युवक को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

राजधानी में कोहरे का कहर जारी है। बुधवार के तड़के करीब 4:30 बजे जीटी करनाल हाई-वे पर दिल्ली धाम खाटू श्याम मंदिर के सामने एक युवक को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। जिससे युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान 29 वर्षीय संजू के रूप में हुई है। जो परिवार के साथ जहांगीरपुरी में रहता था। मौके पर पहुंची अलीपुर पुलिस ने मृतक का शव जहांगीरपुरी स्थित बाबू जगजीवन राम अस्पताल में सुरक्षित रखवा दिया है। इसकी सूचना मृतक के स्वजन को दे दी है।

हादसा कैसे हुई, इसकी जानकारी पुलिस जुटा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज से पुलिस अज्ञात वाहन का पता लगाने में जुटी है।

ट्रैक्टर ने युवक को कुचला, मौत

शाहबाद डेरी थाना क्षेत्र स्थित महादेव चौक के पास बुधवार की देर रात ट्रैक्टर चालक ने एक युवक को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची शाहबाद डेरी थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पातल के शवगृह में रखवा दिया है।

पुलिस मृतक की शिनाख्त में जुटी है। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर इसके चालक से पूछताछ कर रही है। चालक ने पुलिस को बताया कि कोहरे के कारण युवक के नहीं दिखने से यह हादसा हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

दिल्ली में अब इन गाड़ियों का पेट्रोल पंपों पर कटेगा 10 हजार का चालान, मोबाइल पर तुरंत आएगा मैसेज

परिवहन विशेष न्यूज

पॉल्यूशन सर्टिफिकेट न होने के मैसेज प्राप्त होने के बाद भी अगर आप फिर भी नहीं बनवाते हैं तो तीन घंटे समय देने के बाद आप का चालान काट दिया जाएगा। ट्रायल के तौर पर यह व्यवस्था पिछले सोमवार से शुरू हो गई है। विभाग ने वाहनों में वैध पीयूसी नहीं होने पर सोमवार से ई-चालान काटने की कार्रवाई शुरू कर दी है। चालान की जानकारी सीधे ऐसे लोगों के मोबाइल पर भेजी जा रही है।

नईदिल्ली। अगर आप के वाहन का पीयूसी प्रमाणपत्र नहीं है तो अब बच नहीं पाएंगे, परिवहन विभाग ने ऐसे वाहनों का चालान काटने के लिए दिल्ली के 25 पेट्रोप पंपों पर विशेष तरह के कैमरे लगा दिए हैं।

तुरंत बनवा लें PUC प्रमाणपत्र

कैमरे वाहन की नंबर प्लेट पढ़कर यह पता लगा लेंगे कि आप के वाहन का पीयूसी प्रमाणपत्र वैध है या नहीं, अगर वैध नहीं है तो आपके मोबाइल पर तुरंत संदेश आ जाएगा कि आप का पीयूसी प्रमाणपत्र वैध नहीं है, तुरंत इसे बनवा लें। अगर आप फिर भी नहीं बनवाते हैं तो तीन घंटे समय देने के बाद आप का चालान काट दिया जाएगा। ट्रायल के तौर पर यह व्यवस्था पिछले सोमवार से शुरू हो गई है। विभाग ने वाहनों में वैध पीयूसी नहीं होने पर सोमवार से ई-चालान काटने की कार्रवाई शुरू कर दी है। चालान की जानकारी सीधे ऐसे लोगों के मोबाइल पर भेजी जा रही है। वैध पीयूसी नहीं होने पर वाहनों के 10-10 हजार रुपये के चालान काटे जाते हैं।

11 जिलों के लिए है यह व्यवस्था

दिल्ली भर मे 950 स्थानों पर पीयूसी प्रमाणपत्र जारी किया जाता है। लगभग सभी पेट्रोल पंपों पर भी यह सुविधा उपलब्ध है। राजधानी के 11 जिलों में से हर जिले में कम से कम दो पेट्रोल पंपों पर विशेष कैमरे लगाए गए हैं। कुछ जिलों में तीन पेट्रोल पंपों पर यह व्यवस्था की गई है।

पीयूसी जांच की मौजूदा दर

दर	वाहन
60 रुपये	दो पहिया वाहन की पीयूसी जांच
80 रुपये	पेट्रोल व सीएनजी कार की पीयूसी जांच
100 रुपये	डीजल वाहन की पीयूसी जांच (18 प्रतिशत जीएसटी अलग से वसूला जाता है)

विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इन 25 पेट्रोल पंपों की लोकेशन को उजागर नहीं किया जाएगा। इसका पता लगने से लोग डर के मारे इन पेट्रोल पंपों पर नहीं जाएंगे। जिससे इनके मालिकों को व्यापार में नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि पंप मालिकों को विश्वास में लिया गया है कि उनकी पंप की लोकेशन नहीं बताई जाएगी।

20% वाहनों के नहीं थे वैध PUC

इससे पहले पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विभाग ने मॉडल टाउन, शास्त्री नगर, माल रोड और शाहदरा में चार पेट्रोल पंपों पर पीयूसी प्रमाणपत्र वैधता सत्यापन प्रणाली स्थापित की थी। इस दौरान करीब 20 प्रतिशत वाहन यहां पर वैध पीयूसीसी के बिना पाए गए थे। बता दें कि कैमरे नंबर प्लेट को स्कैन करके यह पता लगा सकते हैं कि वाहन के पास वैध पीयूसी है या नहीं। वाहनों का कार्बन मोनोआक्साइड (सीओ) और कार्बन डाइआक्साइड (सीओ2) जैसे विभिन्न प्रदूषकों के उत्सर्जन मानकों के लिए समय-समय पर परीक्षण किया जाता है, जिसके बाद उन्हें पीयूसी प्रमाणपत्र दिया जाता है। एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बहुत सारे लोग अपने वाहनों का इस्तेमाल स्थानीय स्तर पर करते हैं और पकड़े जाने से बचते हैं, लेकिन पेट्रोल पंपों में प्रौद्योगिकी स्थापित होने से अधिकारियों को चकमा नहीं दे पाएंगे। उन्होंने कहा कि एक वैध पीयूसी सिर्फ नियमों का पालन करने के बारे में नहीं है, बल्कि प्रदूषण को रोकने के बारे में भी है।

ड्राइवर्स व ट्रांसपोर्टर्स के भविष्य को लेकर धरना प्रदर्शन करेगी जन सेवा ड्राइवर पार्टी

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। जन सेवा ड्राइवर पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तजिंदर सिंह ने मीडिया को एक पत्र जारी करते हुए कहा, निवेदन यह है कि भारतीय न्याय संहिता 2023 के नए कानून में धारा 106 (2) हिट एण्ड रन को संबोधित करता है जो किसी की लापरवाही से या गैर इरादतन हत्या की श्रेणी में आने वाली किसी भी व्यक्ति के मौत का कारण बनता है, और घटना स्थल से भाग जाए तो उसे जुर्माने सहित 10 साल की सजा का प्रावधान सुनिश्चित किया गया है। जिसमे बहुत त्रुटियाँ है और इसमे पारदर्शिता का बड़ा अभाव है, जिससे ड्राइवर वर्ग के हितों का अनदेखा किया गया है, इससे देश भर के ड्राइवर भयभीत है एवं आक्रोश के साथ धरना प्रदर्शन करेंगे। उपरोक्त विषय को लेकर जन सेवा ड्राइवर पार्टी ने ड्राइवर व ट्रैन्स्पोर्टरों के भविष्य को लेकर धरना प्रदर्शन आयोजित किया है। यह प्रदर्शन 01 फरवरी 2024 स्थान जंतर-मंतर नई दिल्ली को प्रातः 11 से 1 बजे तक रहेगा।

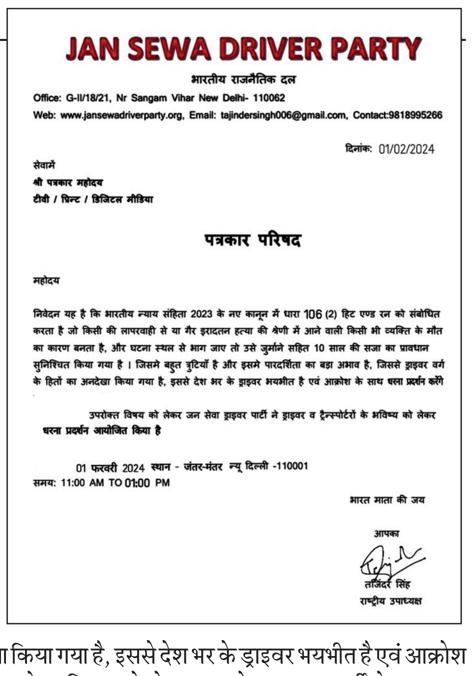
JAN SEWA DRIVER PARTY
भारतीय राजनैतिक दल
Office: G-II/18/21, Nr Sangam Vihar New Delhi- 110062
Web: www.jansewadriverparty.org, Email: tajindersingh006@gmail.com, Contact:9818995266

दिनांक: 01/02/2024

सेवामें
श्री पत्रकार महोदय
टीवी / प्रिन्ट / डिजिटल मीडिया

पत्रकार परिषद

महोदय

निवेदन यह है कि भारतीय न्याय संहिता 2023 के नए कानून में धारा 106 (2) हिट एण्ड रन को संबोधित करता है जो किसी की लापरवाही से या गैर इरादतन हत्या की श्रेणी में आने वाली किसी भी व्यक्ति के मौत का कारण बनता है, और घटना स्थल से भाग जाए तो उसे जुर्माने सहित 10 साल की सजा का प्रावधान सुनिश्चित किया गया है । जिसमे बहुत त्रुटियाँ है और इसमे पारदर्शिता का बड़ा अभाव है, जिससे ड्राइवर वर्ग के हितों का अनदेखा किया गया है, इससे देश भर के ड्राइवर भयभीत है एवं आक्रोश के साथ धरना प्रदर्शन करेंगे

उपरोक्त विषय को लेकर जन सेवा ड्राइवर पार्टी ने ड्राइवर व ट्रैन्स्पोर्टरों के भविष्य को लेकर धरना प्रदर्शन आयोजित किया है

01 फरवरी 2024 स्थान - जंतर-मंतर न्यू दिल्ली -110001
समय: 11:00 AM TO 01:00 PM

भारत माता की जय

आपका
तजिंदर सिंह
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

काम में तेजी लाने के लिए एनसीआरटीसी वायडक्ट निर्माण के लिए प्री-कास्ट सेगमेंट्स का प्रयोग कर रही है...

दो महीने में मेरठ के अंदर पहुंच सकती है नमो भारत, तेजी के साथ चल रहा है काम

परिवहन विशेष न्यूज

शताब्दीनगर स्टेशन का काम अंतिम चरण में है। फरवरी अंत तक काम पूरा करने का लक्ष्य है। इसके बाद मार्च में भूड़बराल (मेरठ साउथ) तक नमो भारत को दौड़ाने के साथ ही भूड़बराल से शाताब्दी नगर तक ट्रेन का ट्रायल शुरू करने की योजना है।

मेरठ। देश की पहली रैपिडएक्स ट्रेन नमो भारत शहर के भीतर भी मार्च तक दस्तक देने को तैयार है। शताब्दीनगर स्टेशन का काम अंतिम चरण में है। फरवरी अंत तक काम पूरा करने का लक्ष्य है। इसके बाद मार्च में भूड़बराल (मेरठ साउथ) तक नमो भारत को दौड़ाने के साथ ही भूड़बराल से शाताब्दी नगर तक ट्रेन का ट्रायल शुरू करने की योजना है।

नमो भारत के मेरठ सेक्शन में मेरठ साउथ स्टेशन से मोदीपुरम डिपो तक कॉरिडोर की लंबाई 23 किमी है। इसमें 18 किमी का हिस्सा एलिवेटेड है। बाकी हिस्सा अंडरग्राउंड है। 18 किमी के एलिवेटेड सेक्शन में से 11 किमी में वायडक्ट निर्माण पूर्ण हो चुका है। बाकी 7 किमी के हिस्से में वायडक्ट निर्माण तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। यहां वायडक्ट निर्माण में तेजी के लिए एनसीआरटीसी ने 10 तारिणी (लॉन्चिंग गैंट्री) स्थापित की हैं। इसके अतिरिक्त 2 और तारिणी स्थापित होंगी।

काम में तेजी लाने के लिए एनसीआरटीसी वायडक्ट निर्माण के लिए प्री-कास्ट सेगमेंट्स का प्रयोग कर रही है, जिन्हें तारिणी की मदद से लॉन्च करके वायडक्ट निर्माण किया जा रहा है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स ने बताया कि मेरठवासियों की सुविधा के लिए यहां आरआरटीएस के 4 और मेरठ मेट्रो के लिए 13 स्टेशनों का निर्माण किया जा रहा है और ये सभी स्टेशन जल्द अपने वास्तविक स्वरूप में दिखाई देंगे।

वायाडक्ट तैयार करने का काम शुरू

दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के मेरठ सेक्शन में बाकी सात किलोमीटर वायाडक्ट बनाने के लिए मंगलवार को एनसीआरटीसी ने 10 लांचिंग गैंट्री

तारिणी स्थापित कर दी हैं। इनके माध्यम से पिलर्स के बीच वायाडक्ट रखने का काम किया जाएगा। जल्द ही दो अन्य लांचिंग गैंट्री स्थापित की जाएंगी। इससे वायाडक्ट बनाने का काम और तेज हो जाएगा।

उम्मीद है कि वायाडक्ट का निर्माण पूरा हो जाने से इसी साल के अंत तक दिल्ली से मेरठ तक नमो भारत ट्रेन चलनी शुरू हो सकती है। हालांकि एनसीआरटीसी ने पूरे कॉरिडोर पर ट्रेनों का संचालन शुरू करने के लिए जून 2025 तक की अवधि तय कर रखी हैं।

एनसीआरटीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स ने बताया कि मेरठ सेक्शन में मेरठ साउथ स्टेशन से मोदीपुरम डिपो तक के 23 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर है। इसमें 18 किलोमीटर एलिवेटेड और बाकी हिस्सा भूमिगत है। 18 किलोमीटर के एलिवेटेड सेक्शन में 11 किमी में वायाडक्ट का निर्माण पूरा किया जा चुका है, बाकी सात किमी के हिस्से में वायाडक्ट का निर्माण तेज कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि इसके निर्माण के लिए प्री-कास्ट सेगमेंट्स का प्रयोग किया जा रहा है। इन्हें लांचिंग गैंट्री मशीन की मदद से पिलर्स के बीच 34 मीटर की खाली जगह पर स्थापित किया जा रहा है। 34 मीटर से ज्यादा दूरी वाली जगहों पर वायाडक्ट के निर्माण के लिए स्पेशल स्टील स्पैन स्थापित किए गए हैं।

90 साल से अधिक जीना चाहती हैं? लंबी उम्र के ये रहे 5 रहस्य, शोध में भी हुआ खुलासा

वजन को मेंटेन रखकर आप लंबी उम्र तक जी सकते हैं. यह बात कई रिसर्च में सामने आ चुकी है. आप जीवनभर हेल्दी डाइट लें, वर्कआउट करें, मेटाबॉलिज्म को हेल्दी रखें तो ही आप लंबी उम्र तक जी सकती हैं. आपको ऐसी ही 5 जरूरी बातें जान लेनी चाहिए.

हेल्थलाइन के मुताबिक, अपने वजन को मेंटेन करने के लिए अगर आप सही डाइट लें, व्यायाम करें, स्ट्रेस मैनेजमेंट सीखें, अच्छी नींद लें और सोशल सपोर्ट हासिल करें तो आपको अपने वजन को मेंटेन रखने में मदद मिल सकती है. हालांकि, वैज्ञानिकों का यह भी मानना है कि लंबी उम्र के पीछे आपका जीन्स, इनवायरनमेंट और कई बार लक भी काम आता है, जबकि वजन में लगातार बदलाव भी लंबी उम्र को काफी प्रभावित करता है.

युनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में जब इस बात पर शोध किया गया कि आखिर उम्रदराज महिलाओं का उनके वजन के साथ क्या संबंध है तो पाया गया है कि उम्र बढ़ने के साथ मौत की सबसे बड़ी वजह उनमें बीमारियां मसलन हार्ट डिजीज, ब्रेस्ट और कोलोरेक्टल कैंसर, ऑस्टियोपोरोसिस रहा. बता दें कि इस शोध में 30 हजार से अधिक महिलाओं को शामिल किया गया था, जिसमें 56 प्रतिशत महिलाएं 90 से अधिक उम्र तक जीवित रहीं.

इस शोध में पाया गया कि जिन महिलाओं का वजन एक जैसा रह गया, उनकी उम्र 90, 95 और 100 तक रही. बता दें कि स्टेबल वेट मेंटेन के तहत अगर महिला का वजन 5 किलो घटा तो उसे वजन घटने की कैटेगरी में रखा गया, 5 किलो वजन बढ़ गया तो उसे वजन बढ़ने की कैटेगरी में रखा गया, जबकि अगर वजन में 5 किलो के अंदर ही घटा-बढ़ा तो उसे स्टेबल वेट की कैटेगरी में गिना गया. इस तरह पाया गया कि जिनका वजन एक जैसा रह गया, उनकी उम्र लंबी रही.

उम्र दराज महिलाएं अगर अपनी उम्र को लंबा बनाना चाहती हैं तो इसके लिए कुछ जरूरी बातों को ध्यान में रखना जरूरी है. हेल्दी लाइट का सेवन करें, वेजिटेबल, लीन प्रोटीन, होल ग्रेन, हेल्दी फैट का सेवन करें, प्रोसेस्ड फूड से दूरी बनाएं. इसके अलावा फिजिकली एक्टिव रहें, ओवर ईटिंग से बचें, योग करें, हाइड्रेशन का ख्याल रखें, अच्छी नींद लें, डॉक्टर से चेकअप कराती रहें.

इस तरह अगर आप अपनी डाइट को लेकर सतर्क कहें, वर्कआउट करें, मेटाबॉलिज्म को अच्छा रखने का प्रयास करें व स्मोकिंग या अल्कोहल से दूरी बनाएं तो आप अपने वजन को मेंटेन रख सकती हैं. अगर आपके जीवन में स्ट्रेस है तो आप इसे मैनेज करने के तरीके अपनाएं और लोगों से मिलें-जुलें. इस तरह आपकी उम्र तो बढ़ेगी ही, आप लंबी उम्र तक एक्टिव जीवन भी व्यतीत कर सकेंगी।

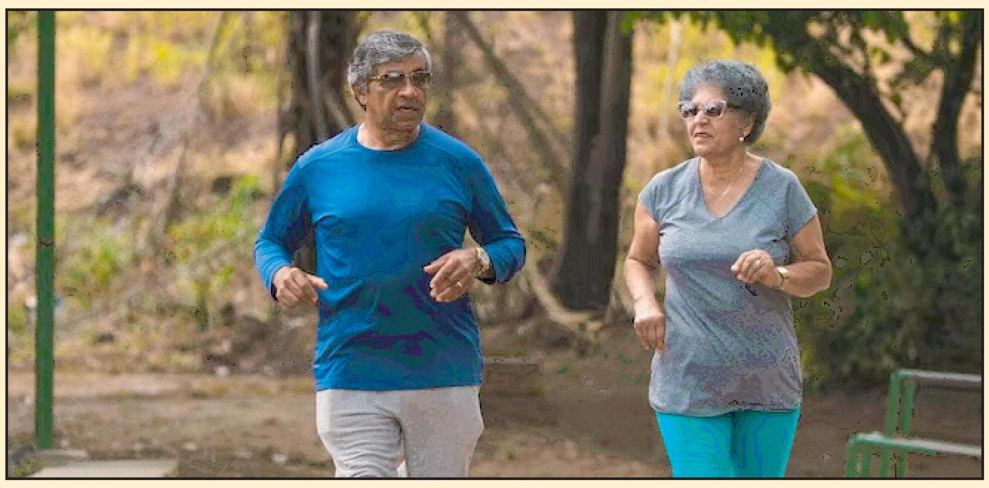

30 की उम्र के बाद महिलाओं को जरूर फॉलो करना चाहिए 6 गोल्डन रूल्स, रहेंगी हेल्दी और ब्यूटीफुल

उम्र बढ़ने के साथ चेहरे पर टाइटनेस, ड्राइनेस, रिंकल और फाइन लाइन बनने लगती है. यही नहीं हमारी फिटनेस भी जाने लगती है. आइए जानते हैं इसका उपाय.

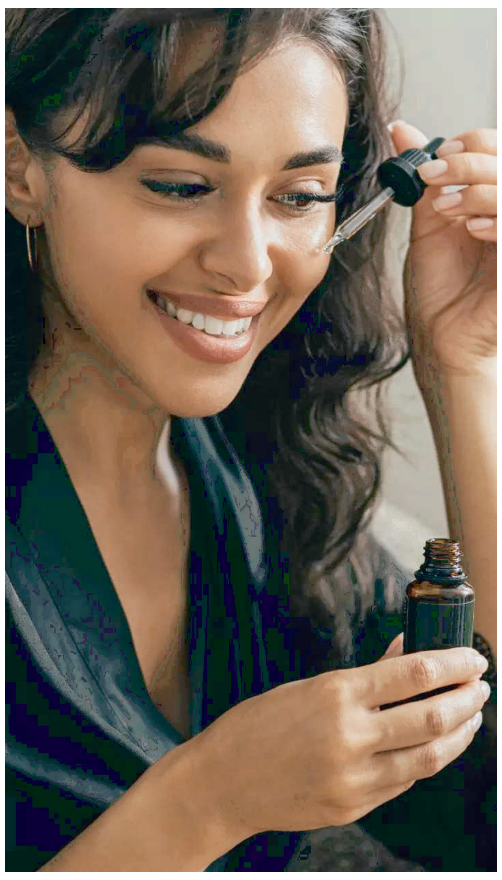

हर उम्र की महिलाओं का यह सपना होता है कि वह हमेशा खूबसूरत और फिट दिखे. लेकिन उम्र के लक्षण को हम रोक नहीं सकते क्योंकि ये एक नेचुरल प्रोसेस है. हालांकि अगर महिला होने के नाते अगर आप अपनी सेहत पर शुरुआती दिनों से ही ध्यान दें और अपना सही तरीके से देखभाल करें तो उम्र से पहले आप एजिंग के लक्षणों को कम कर सकते हैं. यही नहीं, अगर आप 30 की उम्र से ही अपने स्किन को लेकर सचेत रहें तो यह रिंकल और फाइनलाइन की समस्या को दूर कर सकता है. यहां हम बता रहे हैं कि आप किस तरह नेचुरल तरीके से उम्र के असर की रफ्तार को कम कर सकते हैं.

30 की उम्र के बाद इन बातों का रखें खयाल

पानी खूब पियें

फिटडे के मुताबिक, पानी की कमी होने पर शरीर में मेटाबॉलिज्म कम होने लगता है, शरीर में पानी की कमी होने लगती है और यह स्किन की फ्लेक्सिबिलिटी को प्रभावित करती है. इसलिए अपने पानी के इंटेक पर नजर रखें और भरपूर पानी पियें.

वर्कआउट करें

अगर आप 30 की उम्र के बाद भी रेग्युलर वर्कआउट करें, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें तो यह आपके आपके मसल्स को कमजोर नहीं होने देते और चेहरे व शरीर पर यूथनेस बना रहता है.

धूप से बचें

ब्रायन मावर डर्मोटोलॉजी के मुताबिक, अर्ली एजिंग का सबसे बड़ा कारण यूवी करिणें. ऐसे में रोज एसपीएफ 30 सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें और सनग्लास का प्रयोग करें.

अल्कोहल स्मोकिंग से बचें

ये दोनों ही आदतें स्किन पर रिंकल की वजह होती हैं. यह स्किन कैंसर का कारण भी बन सकता है. ऐसे में जहां तक हो अल्कोहल और स्मोकिंग से खुद को दूर रखें.

भरपूर सोएं

30 की उम्र के बाद भरपूर सोना काफी जरूरी होता है. आप कम से कम 8 घंटे की नींद रात में जरूर पूरा करें. इसके अलावा सोने और जागते समय स्किन केयर का ध्यान रखें.

हेल्दी डाइट जरूरी

स्किन को परफेक्ट रखने के लिए आप हेल्दी डाइट का सेवन करें. इसके लिए भरपूर फल, सब्जियां, अनाज आदि खाने में शामिल करें.

इस तरह आप लंबी उम्र तक खुद को फिट रख सकेंगी और हेल्दी रहने की वजह से आपकी स्किन और बालों की समस्या भी दूर रहेगी.

आप भी बनना चाहती हैं इंडिपेंडेंट, महिलाएं इन 5 चीजों पर करें फोकस, इन तरीकों से बढ़ाएं पहला कदम

कई बार महिलाओं के लिए आत्मनिर्भर बन पाना आसान नहीं होता है. लेकिन अगर आप इंडिपेंडेंट वुमेन होने की ख्वाहिश रखती हैं. तो डिसीजन मेकिंग स्किल्स, फाइनेंशियल प्लानिंग और आत्मविश्वास जैसी चीजों पर फोकस करके आत्मनिर्भर बनने की ओर कदम बढ़ा सकती हैं.

महिलाओं के लिए आत्मनिर्भर बनने का रास्ता कई बार काफी मुश्किल होता है. ऐसे में इंडिपेंडेंट बनने के लिए ज्यादातर महिलाओं को काफी मेहनत करनी पड़ती है. इसलिए आज हम आपको बताते हैं कि आत्मनिर्भर बनने के लिए किन बातों पर फोकस करना जरूरी होता है.

कई बार चाहकर भी महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर कदम नहीं बढ़ा पाती हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि बहुत सी महिलाओं के लिए इंडिपेंडेंट होना काफी मुश्किल भरा टास्क होता है. ऐसे में अगर आप कुछ चीजों पर फोकस करते हुए आगे कदम बढ़ाती हैं, तो आत्मनिर्भर बनने का आपका रास्ता आसान हो सकता है. तो आइये जानते हैं इसके बारे में.

सेल्फ कॉन्फिडेंस होना है जरूरी

आत्मनिर्भर बनने के लिए आपका आत्मविश्वासी होना बहुत जरूरी है. इंडिपेंडेंट बनने के लिए ये आपका पहला कदम हो सकता है. ऐसे में जरूरी है कि सेल्फ कॉन्फीडेंस को बूस्ट करने की कोशिश करें. साथ ही प्रोफेशनल लाइफ से लेकर पर्सनल लाइफ तक के डिसीजन आप खुद पूरे विश्वास के साथ लेने का प्रयास करें. इतना ही नहीं अगर कोई फैसला गलत भी होता है, तो इसकी जिम्मेदारी किसी और पर न डालकर आप खुद ही लें.

फैसले लेना सीखें

ज्यादातर घरों में महिलाएं हर छोटा-बड़ा फैसला घर में किसी न किसी से पूछ कर ही लेती हैं. ऐसे में उनको फैमली मेम्बर्स या पार्टनर पर निर्भर रहने की आदत हो जाती है. लेकिन आत्मनिर्भर बनने के लिए जरूरी है कि आप खुद में डिसीजन मेकिंग स्किल को डेवलप करने की कोशिश करें. जिससे आप जरूरत पड़ने पर खुद फैसला लेने में सक्षम रहें.

भावनात्मक रूप से मजबूत बनें

आत्मनिर्भर बनने के लिए आपका भावनात्मक रूप से मजबूत बनना भी बहुत जरूरी है. इसलिए अपनी खुशी के लिए किसी और पर निर्भर रहने की जगह अपनी केयर खुद करना सीखें. इस तरह से आप किसी पर इमोशनली डिपेंडेंट नहीं रहेंगी और खुद को मेंटली और इमोशनली स्ट्रांग रखने में कामयाब हो सकेंगी.

फाइनेंस मैनेज करना सीखें

बहुत सी महिलाएं जॉब करने के बाद भी अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग के लिए दूसरों पर ही डिपेंडेंट रहती हैं. वहीं ज्यादातर महिलाएं फाइनेंस से जुड़े डिसीजन बिना किसी की इजाजत के लेने में हिचकिचाने लगती हैं. जबकि आत्मनिर्भर बनने के लिए जरूरी है कि अपने बजट से लेकर इंवेस्टमेंट तक का हिसाब आप खुद रखें. इसलिए इंडिपेंडेंट बनने के लिए अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग खुद करना सीखें.

दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में बारिश से बदला मौसम, पढ़ें अगले तीन दिनों तक कैसा रहेगा मौसम

परिवहन विशेष न्यूज

दो दिन से सुबह के वक्त काफी ज्यादा कोहरा होने के बाद बुधवार दोपहर में बारिश से दिल्ली-एनसीआर का मौसम बदल गया है। बारिश होने से जहां कोहरे में कमी आई है वहीं ठिठुरन भी बढ़ गई। बारिश से पहले आज सुबह घना कोहरा छाया रहा फिर सुबह 10 बजे तक हल्की धूप निकली। हालांकि दिन चढ़ते-चढ़ते 12 बजे से फिर मौसम बदला बारिश शुरू हो गई।

नई दिल्ली। दो दिन से सुबह के वक्त काफी ज्यादा कोहरा होने के बाद बुधवार दोपहर में बारिश से दिल्ली-एनसीआर का मौसम बदल गया है। बारिश होने से जहां कोहरे में कमी आई है वहीं ठिठुरन भी बढ़ गई।

बारिश से पहले आज सुबह घना कोहरा छाया रहा फिर सुबह 10 बजे तक हल्की धूप निकली। हालांकि दिन चढ़ते-चढ़ते 12 बजे से फिर मौसम बदला और दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, सोनीपत समेत कई इलाकों में हल्की से तेज बारिश शुरू हो गई।

नोएडा में हल्की वर्षा और बूंदाबांदी के कारण बढ़ी सर्दी

नोएडा में मौसम की उठा-पटक जारी है। बुधवार को मौसम ने पलटी मारी। बुधवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। दृश्यता लगभग 100 मीटर से कम रही।

अधिकतम तापमान सामान्य से 22 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस रहा। आर्द्रता का अधिकतम प्रतिशत 97 दर्ज किया गया। दोपहर में आसमान में काले बादल छा गए। दोपहर दो बजे के बाद कहीं हल्की वर्षा हुई तो कहीं बूंदाबांदी हुई।इसके बाद तेज सर्द हवा चली।

कल एनसीआर में ऐसा रहेगा मौसम

मौसम विभाग के मुताबिक बृहस्पतिवार को भी तेज हवाओं के साथ वर्षा के आसार हैं। कुछ इलाकों में गरज और हवाओं के साथ बौछार भी पड़ सकती हैं।

दो और तीन फरवरी को ऐसा रहेगा मौसम

दो फरवरी की दोपहर को आसमान साफ रहेगा। तीन फरवरी से सुबह हल्का कोहरा छाया रह सकता है। दिन का पारा 20 डिग्री और रात का तापमान 10 डिग्री के पार रह सकता है।

गंभीर श्रेणी में नोएडा-ग्रेटर नोएडा की हवा

वहीं ठंड के साथ वायु प्रदूषण भी अपने रंग दिख ला रहा है। बुधवार सुबह आठ बजे ग्रेटर नोएडा का एयर क्वालिटी इंडेक्स 404 के साथ गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। जबकि नोएडा का एयर क्वालिटी इंडेक्स 346 के साथ बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया है। बढ़े हुए प्रदूषण के साथ ठंड की मार से सांस और अस्थमा मरीजों की परेशानी बढ़ी है।

विपक्षी दलों से संबंध स्वीकारने के लिए दबाव बना रही पुलिस', पार्लियामेंट सिक्योरिटी ब्रीच केस के आरोपियों ने लगाए बड़े आरोप

संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले में गिरफ्तार छह लोगों में से पांच ने अदालत को बताया कि दिल्ली पुलिस उन्हें विपक्षी दलों के साथ संबंध स्वीकार करने के लिए प्रताड़ित कर रही है। मनोरंजन डी सागर शर्मा ललित झा अमोल शिंदे और महेश कुमावत ने पटियाला हाउस कोर्ट की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरदीप कौर के समक्ष बताया कि उन्हें लगभग 70 कोरे कागजों पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया।

नई दिल्ली। संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले में गिरफ्तार छह लोगों में से पांच ने अदालत को बताया कि दिल्ली पुलिस उन्हें विपक्षी दलों के साथ संबंध स्वीकार करने के लिए प्रताड़ित कर रही है।

पांचों आरोपित मनोरंजन डी, सागर शर्मा, ललित झा, अमोल शिंदे और महेश कुमावत ने पटियाला हाउस कोर्ट की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरदीप कौर के समक्ष बताया कि उन्हें लगभग 70 कोरे कागजों पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया।

कोरे कागज पर साइन करने को किया मजबूर

उन्होंने अदालत को बताया कि यूएपीए के तहत अपराध करने और राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के साथ संबंध रखने के लिए कोरे कागज पर हस्ताक्षर करने और यही सब कबूल करने के लिए प्रताड़ित किया गया।

बिजली के झटके देने का भी है आरोप

उन्हें बिजली के झटके दिए गए। अदालत ने मामले में पुलिस से जवाब मांगा और आरोपितों की अर्जी पर सुनवाई के लिए 17 फरवरी की तारीख तय की। इस मामले की छठीं आरोपित नीलम आजाद हैं।

चूहे पर खौलता पानी डाला, मरने पर चिता बनाकर जलाई... दिल्ली की नामी यूनिवर्सिटी के छात्रों की करतूत

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (DTU) के दो छात्रों के खिलाफ के चूहे के साथ क्रूरता बरतने के आरोप में उत्तरी जिले के शाहबाद डेरी थाने में पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज की गई है। इन छात्रों पर चूहे को फंसाने और उस पर खौलता पानी डालकर मारने का आरोप लगाया गया है। छात्रों द्वारा मजाक में जानवर का दाह संस्कार भी किया गया।

दिल्ली। दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (DTU) के दो छात्रों के खिलाफ के चूहे के साथ क्रूरता बरतने के आरोप में उत्तरी जिले के शाहबाद डेरी थाने में पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज की गई है। इन छात्रों पर चूहे को फंसाने और उस पर खौलता पानी डालकर मारने का आरोप लगाया गया है।

छात्रों द्वारा मजाक में जानवर का दाह संस्कार भी किया गया और उस वीडियो को एक्स पर पोस्ट कर दिया। इसके बाद इस मामले में जानवरों की सुरक्षा के लिए कार्य कर रहे पशु-अधिकार संगठन पेटा (PETA) की शिकायत के आधार पर 28 जनवरी को एफआईआर दर्ज की गई थी।

वीडियो को सोशल साइट्स से हटाया

संस्था की ओर से को-आर्डिनेटर और अधिवक्ता सुनयना बासु ने बताया कि जानवरों के साथ ऐसा व्यवहार देखने के बाद वीडियो के आधार पर शिकायत की गई। जिसके बाद एक्स से पोस्ट को हटा दिया गया है। उन्होंने इस बारे में कॉलेज के डीन व अन्य प्रोफेसर से भी बात करने की बात कही है।

इंसानों के साथ भी कर सकते हैं बुरा

जानवरों के साथ हिंसा को लेकर उन्होंने कहा कि यह बातें सर्वे में भी सामने आई हैं कि जो लोग जानवरों को परेशान या एब्यूज करते हैं वह आपराधिक प्रवृत्ति के तहत इंसानों के साथ भी बुरा कर सकते हैं। इसलिए उन्हें शुरूआत में रोकने की जरूरत हैं।

अगर छात्र ऐसा करें तो काफी चिंताजनक

ऐसे में यदि देश के भविष्य कहे जाने वाले छात्र ही ऐसा करने लगे तो यह काफी चिंताजनक है। पेटा की ओर से यह सुझाव दिया गया है कि छात्रों का मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन से गुजरना चाहिए और परामर्श प्राप्त करना चाहिए, क्योंकि जानवरों के साथ दुर्व्यवहार गहरी मनोवैज्ञानिक गड़बड़ी का संकेत देता है।

चूहों को फंसाने वाले गोंद पर रोक लगाने की मांग

इसके अलावा उन्होंने बाजार में मिलने वाली चीजों को लेकर चूहों को फंसाने के लिए ग्यू ट्रैप पैड (मजबूत गोंद में चूहे को फंसाने का उपकरण) के प्रयोग को लेकर कहा कि इसपर रोक लगाने के लिए कैंपेन चलाए जाने के बाद यह बाजार में मिल रहे हैं।

छात्रों को हॉस्टल से निकाला

इस मामले में डीटीयू का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज होने के अगले दिन ही दोनों छात्रों को कॉलेज के छात्रावास से निकाल दिया गया है। कॉलेज की ओर से छात्रों के इस कृत्य की निंदा की गई है और आगे की कार्रवाई पर विचार किया जा रहा है।

संजय सिंह को राहत मिलेगी या नहीं? जमानत याचिका पर दिल्ली HC ने आदेश सुरक्षित रखा

पिछली सुनवाई पर संजय सिंह की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मोहित माथुर ने तर्क दिया था कि उनके मुवक्किल तीन महीने से हिरासत में हैं और इस अपराध में उनकी कोई भूमिका नहीं बताई गई है। ईडी ने महज एक आरोपित के सरकारी गवाह बनने के बाद दिए गए बयान के आधार पर संजय सिंह को गिरफ्तार किया गया था।

नई दिल्ली। आबकारी घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राज्य सभा सदस्य संजय सिंह की जमानत याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को आदेश सुरक्षित रख लिया है। मंगलवार को याचिका का विरोध करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली हाई कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया था। ईडी ने आरोप लगाया था कि जांच के दौरान यह पता चला है कि संजय सिंह घोटाले में एक प्रमुख साजिशकर्ता हैं और वह इस मामले में कई आरोपितों या संदिग्धों, व्यवसायी दिनेश अरोड़ा और अमित अरोड़ा से करीबी से जुड़े थे।

वर्तमान महावीर मेडिकल कॉलेज एवं सफदरजंग अस्पताल के सौजन्य से कार्डियक रिहैबिलिटेशन वर्कशॉप

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज में शारीरिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग द्वारा कार्डियक रिहैबिलिटेशन सीएमई & वर्कशॉप का आयोजन वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज एवं सफदरजंग हॉस्पिटल के व्याख्यान सभागार में किया गया। जिसमें विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर आर के वाधवा और ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉक्टर सुमन बधाल प्रोफेसर शारीरिक चिकित्सा एवं पुनर्वास द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर डॉक्टर वंदना तलवार मुख्य अतिथि थी। इस अवसर पर 85 डॉक्टर्स ने ज्ञान प्राप्त किया। रोगी स्वास्थ्य शिक्षा पत्रिका का विमोचन भी किया गया, जिसे डॉक्टर सुमन, पूनम ढांडा स्वास्थ्य सामाजिक कल्याण अधिकारी एवम विजय कुमार स्वास्थ्य शिक्षक ने तैयार किया। इसका विमोचन चिकित्सा अधीक्ष डॉ वंदना तलवार ने किया। हृदय पुनर्वास1772 में डॉक्टर सर विलियम हेबर्डन द्वारा किया गया था। 300 साल के बाद भी हृदय पुनर्वास बहुत पीछे रह गया है। शारीरिक गतिविधि के लाभों के कुछ सबूतों के बावजूद, तीव्र कोरोनरी घटनाओं वाले रोगियों पर गतिशीलता प्रतिबंध लगाया गया था, जिससे अक्सर गंभीर डिकंडिशनिंग समस्याएं, कार्यात्मक क्षमता में गिरावट, लंबे समय तक अस्पताल में रहना और रुग्णता और मृत्यु दर में वृद्धि हुई।1950 के दशक की शुरुआत में, कोरोनरी की घटनाओं के 4 सप्ताह बाद 3 से 5 मिनट की बहुत छोटी दैनिक सैर की अनुमति दी गई थी। धीरे-धीरे, यह पहचाना गया कि जल्दी-जल्दी चलने-फिरने से बिस्तर पर आराम करने की वजह से होने वाली जटिलताओं से बचा जा सकता है और इससे जोखिम भी नहीं बढ़ता।हृदय पुनर्वास द्वारा हृदय रोगियों को ठीक होने में और उनकी कार्यात्मक और मानसिक स्थिति को अनुकूलित करने में मदद मिलती है।जिससे रोगी अपनी दिनचर्या व रोजमर्रा के काम जल्दी करने लगता है।कार्डियोवैस्कुलर रोगों का बोझ वैश्विक स्तर की तुलना में भारत मे ज्यादा पाया जा रहा हैं। जिसमें से भारत में इसकी दर 23% हैं जहां वैश्विक दर 14% हैं।विदेशो व भारत के निजी स्वास्थ्य केन्द्रों अथवा संस्थानों में पूर्ण रूप से हृदय पुनर्वास को अपनाया जा चुका है।

खाते में 41 रुपये... दिल्ली एयरोसिटी के लग्जरी होटल में कई दिनों तक ऐश ओ आराम, छह लाख के बिल में फर्जीवाड़ा; महिला गिरफ्तार

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली पुलिस ने एक जालसाज महिला को गिरफ्तार किया है जिसने एयरोसिटी स्थित एक लग्जरी होटल में छह लाख रुपये की धोखाधड़ी की थी। महिला आंध्र प्रदेश की रहने वाली है जब उसे गिरफ्तार किया गया तो उसके खाते में सिर्फ 41 रुपये थे। पुलिस को अभी आईजीआई एयरपोर्ट के पास एयरोसिटी में रुकने के पीछे के मकसद का पता नहीं चला है।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक जालसाज महिला को गिरफ्तार किया है, जिसने एयरोसिटी स्थित एक लग्जरी होटल के साथ छह लाख रुपये की धोखाधड़ी की थी। महिला आंध्र प्रदेश की रहने वाली है, जब उसे गिरफ्तार किया गया तो उसके खाते में सिर्फ 41 रुपये थे।

पुलिस को अभी आईजीआई एयरपोर्ट के पास एयरोसिटी में रुकने के पीछे के मकसद का पता नहीं चला है।

महिला नहीं कर रही सहयोग

दिल्ली पुलिस ने आंध्र पुलिस के साथ संपर्क किया है, ताकि महिला के बारे में और पता कराया जा सके और उसके परिवार के बारे में और विवरण पता चल जाए। पुलिस ने बताया कि महिला पूछताछ में सहयोग नहीं कर रही है, जब उससे खाते की डिटेल मांगी तो वह नहीं दिखा पाई।

15 दिनों तक होटल में रुकी

उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने उसके पिछले खाते की जांच की तो पाया कि उसमें शेष राशि के रूप में केवल 41 रुपये थे। पुलिस ने कहा कि महिला की पहचान झांसी रानी सैमुअल के रूप में हुई है, जो दिल्ली हवाई अड्डे के पास एयरोसिटी में स्थित पुलमैन होटल में 15 दिनों तक रुकी थी और कथित तौर पर लगभग 5,88,176 रुपये का फर्जी लेनदेन किया था।

स्पा भी कराया

अधिकारी ने कहा कि होटल के कर्मचारियों ने पुलिस को बताया कि उसने होटल की स्पा सुविधा में ईशा दवे नाम का एक फर्जी पहचान पत्र बनाया था और 2,11,708 रुपये की सेवाओं का लाभ उठाया था।

ऐप से कर रही थी फर्जीवाड़ा

पुलिस ने कहा कि सैमुअल ने होटल के कर्मचारियों को दिखाती थी कि उसने आईसीआईसीआई बैंक यूपीआई ऐप से रुपये ट्रांसफर किए हैं, लेकिन बैंक को कोई भुगतान नहीं मिला। महिला ने जिस ऐप का भुगतान के लिए प्रयोग किया वह संदिग्ध है। साथ ही महिला जांच में सहयोग नहीं कर रही है। मामले में जांच जारी है। आरोपी महिला ने शुरुआत में बताया कि वह एक डॉक्टर है और पति भी डॉक्टर है, जो न्यूयॉर्क में रहते हैं। हालांकि अभी इसकी पुष्टि की जा रही है। सैमुअल को दिल्ली पुलिस ने 13 जनवरी को होटल स्टाफ की पीसीआर कॉल के बाद गिरफ्तार किया था।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने AAP नेता स्वाति मालीवाल को क्यों दो बार दिलाई शपथ?

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने बुधवार को पद व गोपनीयता की शपथ ली। हालांकि यह जानना दिलचस्प होगा कि स्वाति मालीवाल को आज राज्यसभा में दो बार शपथ दिलाई गई। न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार सूत्रों का कहना है कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वाति मालीवाल को राज्यसभा की सदस्यता की दो बार शपथ दिलाई इसके दो कारण थे।

नई दिल्ली।। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने बुधवार को पद व गोपनीयता की शपथ ली। हालांकि यह जानना दिलचस्प होगा कि स्वाति मालीवाल को आज राज्यसभा में दो बार शपथ दिलाई गई।

न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, सूत्रों का कहना है कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वाति मालीवाल को राज्यसभा की सदस्यता की दो बार शपथ दिलाई, इसके दो कारण थे।

दो बार शपथ की पहली वजह

बताया जा रहा है कि स्वाति को दो बार शपथ दिलाने की पहली वजह ये थी कि उन्होंने शुरुआत में गलत शपथ ली थी। ऐसा इसलिए क्योंकि स्वाति ने नामित सदस्यों (नॉमिनेटेड मेंबर) के लिए जो शपथ पत्र होता है उसे पढ़ लिया था। बाद में स्वाति को सभापति जगदीप धनखड़ ने अपने पास बुलाया और समझाया कि उन्हें दोबारा शपथ लेनी होगी। इसके बाद स्वाति ने दोबारा शपथ ली।

दूसरी वजह

आप नेता को दोबारा राज्यसभा की सदस्यता की शपथ दिलाने की दूसरी वजह ये भी थी कि उस वक्त काफी नारेबाजी हो रही थी जिसके चलते उनका शपथ सही से सुनाई नहीं दिया था।

राज्यसभा से पहले पहुंचीं थीं हनुमान मंदिर

स्वाति आज राज्यसभा पहुंचने से पहले सीपी के प्राचीन हनुमान मंदिर गई थीं। वहां जाकर उन्होंने पूजा-पाठ कर भगवान का आशीर्वाद लिया और जय श्रीराम जय बजरंगबली का एक्स पोस्ट भी किया।

सोसाइटी के कियोस्क में लगी आग, दमकल की गाड़ी ने पाया काबू

ग्रेटर नोएडा वेस्ट ईकोविलेज एक सोसाइटी के समीप मार्केट में एक कियोस्क में आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि सोसाइटी में हड़कंप मच गया। आसपास दर्जनों की संख्या में वाहन खड़े थे। लोगों ने दमकल विभाग की सूचना देने के साथ आग बुझाने में जुट गए। सोसाइटी परिसर में लगे फायर उपकरणों से लोगों ने काबू पाने की कोशिश की।

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट ईकोविलेज एक सोसाइटी के समीप मार्केट में एक कियोस्क में आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि सोसाइटी में हड़कंप मच गया। आसपास दर्जनों की संख्या में वाहन खड़े थे। लोगों ने दमकल विभाग की सूचना देने के साथ आग बुझाने में जुट गए। सोसाइटी परिसर में लगे फायर उपकरणों से लोगों ने काबू पाने की कोशिश की, लेकिन तब तक सबकुछ जलकर खाक हो गया। दमकल की गाड़ी पहुंचने के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया।

सुबह कोहरा, दिन में बूंदाबांदी... सर्द हवा से बढ़ी ठिठुरन; गुरुग्राम-दिल्ली एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की रफ्तार थमी

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम में बुधवार को बूंदाबांदी होने से मौसम का मिजाज बदल गया। हल्की ठंडी हवा के चलने ठिठुरन भी बढ़ गई। सुबह की शुरुआत ही घने कोहरे के साथ हुई। जिले में कोहरे के कारण दृश्यता बीस मीटर से भी कम रही। सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम गई और वाहन चालकों को लाइटें और फॉग लैंप जलाकर चलना पड़ा।

गुरुग्राम। गुरुग्राम में बुधवार को बूंदाबांदी होने से मौसम का मिजाज बदल गया। हल्की ठंडी हवा के चलने ठिठुरन भी बढ़ गई। सुबह की शुरुआत ही घने कोहरे के साथ हुई। जिले में कोहरे के कारण दृश्यता बीस मीटर से भी कम रही। सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम गई और वाहन चालकों को लाइटें और फॉग लैंप जलाकर चलना पड़ा।
अलसुबह दिल्ली-जयपुर हाईवे, द्वारका एक्सप्रेस-वे और सोहना रोड सहित अन्य सड़कों पर वाहन कम ही दिखाई दिए। नौ बजे तक कोहरे में वाहन रेंगते रहे। लगभग दस बजे कोहरा छंटने लगा, जिससे दृश्यता अच्छी हो गई।
इसके बाद आसमान घने बादलों से घिर गया, जिसके कारण धूप नहीं खिली और फिर से कोहरा छा गया। बूंदाबांदी से कोहरा हटा और ठंड फिर बढ़ गई। न्यूनतम तापमान 10.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान इन दिनों 17.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा रहा है।

कल भी हो सकती है बूंदाबांदी

मौसम विभाग के अनुसार, आगामी दो से तीन दिन तक बूंदाबांदी होने का अनुमान है। सुबह के समय घना कोहरा छाएगा। तेज हवा और गरज तथा चमक के साथ कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है।

बूंदाबांदी से मिलेगा फसलों को फायदा

कोहरा छाने से गेहूं की फसल को खूब फायदा मिल रहा है। बूंदाबांदी होने तथा नमी होने के कारण रबी की मुख्य फसलों गेहूं, जौ, सरसों और चने आदि में सिंचाई की ज्यादा जरूरत नहीं है। कोहरे से गेहूं की फसल की बढवार भी अच्छी हो रही है। अगर तेज वर्षा हुई तो सभी फसलों को लाभ होगा तथा किसानों को खेतों में सिंचाई करने के लिए मेहनत भी नहीं करनी पड़ेगी।

ज्वेलर्स की दुकान में चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार, मुठभेड़ में दो बदमाशों के पैर में लगी गोली

लाल बाग में मंगलवार मध्य रात्रि पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। तीन को गिरफ्तार किया गया। दो बदमाशों के पैर में गोली लगी है। उनका उपचार चल रहा है। आरोपितों के पास से पुलिस ने दो तमंचे सोने चांदी के कुछ गहने बरामद किए हैं। तीनों ने साथियों के साथ ज्वेलर्स की दुकान में चोरी की थी।

गाजियाबाद। लाल बाग में मंगलवार मध्य रात्रि पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। तीन को गिरफ्तार किया गया। दो बदमाशों के पैर में गोली लगी है। उनका उपचार चल रहा है। आरोपितों के पास से पुलिस ने दो तमंचे, सोने चांदी के कुछ गहने बरामद किए हैं। तीनों ने साथियों के साथ ज्वेलर्स की दुकान में चोरी की थी।

10 जनवरी को हुई थी चोरी

सहायक पुलिस आयुक्त अंकुर विहार रवि प्रकाश सिंह ने बताया कि मंगलवार मध्य रात्रि पुलिस की टीम लाल बाग क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। सूचना मिली की ज्वेलर्स के यहां 10 जनवरी को चोरी करने वाला गिरोह घूम रहा है।

पुलिस को देखकर भागने लगे थे तीनों

थाना लोनी बार्डर, ग्रामीण जोन स्वाट टीम और पुलिस कमिश्नरेट टीम ने चेकिंग के दौरान तीन लोगों को टार्च लेकर आते देख रुके का इशारा किया। पुलिस को देखकर तीनों भागने लगे। पुलिस पर फायरिंग कर दी।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश के पैर में गोली लगी। तीनों को पुलिस ने दबोच लिया। घायल बदमाश का नाम परशुराम एवं धर्मेन्द्र तथा अन्य गिरफ्तार बदमाश का नाम पुत्ती है।

तीनों ने 10 जनवरी को साथियो के साथ मिलकर ज्वैलर्स की दुकान पर चोरी की थी। तमंचे व कारतूस जेब से कुछ सोने व चांदी के गहने भी बरामद हुये है। पुलिस इनके अन्य साथियों की तलाश में जुटी है।

गाजियाबाद में बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमा तोड़ने का प्रयास, लोगों ने किया हंगामा

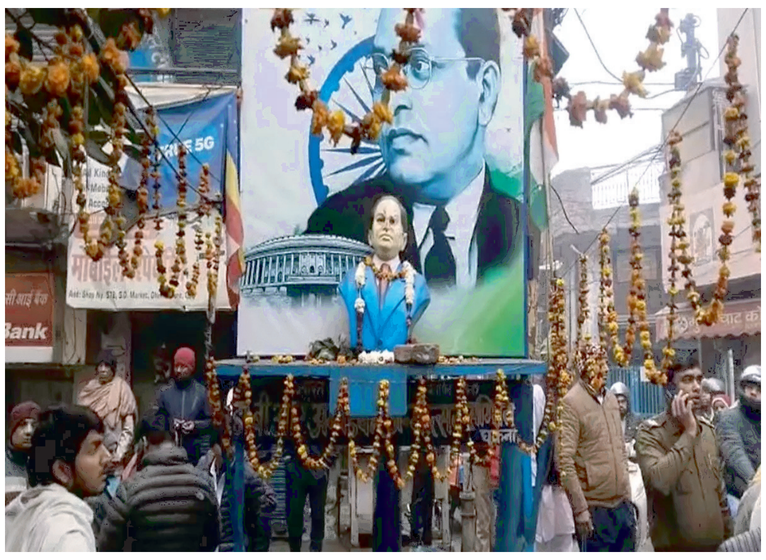

गाजियाबाद के घूकना में टेंपो स्टैंड पर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा खंडित करने का प्रयास किया गया है। सुबह स्थानीय लोगों ने इसे देखने पर हंगामा कर दिया। मौके पर स्थानीय लोग जुटे हुए हैं। पुलिस को भी सूचना दे दी गयी है। पुलिस टेंपो स्टैंड के आसपास लगे सीसीटीवी कमरो की फुटेज देख रही है।

गाजियाबाद। घूकना में टेंपो स्टैंड पर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा खंडित करने का प्रयास किया गया है। सुबह स्थानीय लोगों ने इसे देखने पर हंगामा कर दिया। मौके पर स्थानीय लोग जुटे हुए हैं। पुलिस को भी सूचना दे दी गयी है। पुलिस टेंपो स्टैंड के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देख रही है। मामले में थाना नंदग्राम पुलिस ने संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया है और अन्य आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गाजियाबाद पुलिस ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है।

सपा ने लोकसभा चुनाव के लिए टिकट तो बाँट दिये मगर अपने उम्मीदवारों को जिताएंगे कैसे?

अजय कुमार

समाजवादी पार्टी की लिस्ट पर नजर डालें तो इसमें कुछ ऐसे नेताओं को भी टिकट दिया गया है, जो कुछ समय पहले कांग्रेस छोड़कर पार्टी में पहुंचे हैं। इनमें अन्नू टंडन का नाम सबसे प्रमुख है। अन्नू टंडन पुरानी कांग्रेसी हैं। उन्नाव से वह सांसद भी रह चुकी हैं।

सपा ने कुछ पुराने सांसदों को भी टिकट दिया है, इसमें सबसे चर्चित नाम संभल के सांसद शफीकुर्रहमान बर्क का है, जो इस समय सबसे उम्र दराज सांसद हैं। बर्क की छवि एक कट्टर मुस्लिम नेता वाली रही है। वह अयोध्या में रामलला के मंदिर के निर्माण से लेकर इसको लेकर दिये गये सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर भी सवाल खड़ा करने में सबसे आगे रहे थे। मोदी के कट्टर विरोधी बर्क पर एक बार फिर अखिलेश ने भरोसा जताया है।

आम चुनाव के नतीजे कुछ भी हों, लेकिन समाजवादी पार्टी ने करीब दो महीने बाद होने जा रहे लोकसभा चुनावों में उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करने के मामले में सभी दलों को पछाड़ दिया है। ऐसा करके सपा ने भाजपा पर मनोवैज्ञानिक बढ़त बनाने की कोशिश की है, लेकिन उसका यह दांव कितना ठीक बैठेगा अभी कहा नहीं जा सकता है। हो सकता है कि सपा ने अपने पत्ते खोलकर भाजपा को अपनी मजबूत रणनीति बनाने का मौका दे दिया हो। वहीं इसमें कांग्रेस के लिए भी एक संदेश छिपा है कि वह जल्द से जल्द कोई निर्णय ले ले, नहीं तो सपा को अकेले चुनाव मैदान में कूदने में संकोच नहीं होगा।
समाजवादी पार्टी की प्रत्याशियों की पहली लिस्ट में अखिलेश यादव ने जिन 16 उम्मीदवारों के नाम घोषित किये हैं उसमें यादव कुनबे के तीन उम्मीदवार क्रमशः पत्नी डिंपल यादव, चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव और अक्षय यादव का नाम सामने आया है, जिनके टिकट तय कर दिये गये हैं। सपा ने जिताऊ प्रत्याशी उतारने के चक्कर में बसपा और कांग्रेस से आए कुछ नेताओं को भी टिकट थमा दिया है। अखिलेश के इस कदम को एक तरफ इंडिया गठबंधन की आपसी राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है तो वहीं इस ऐलान को कहीं न कहीं भाजपा के दांव से उस पर ही मनोवैज्ञानिक बढ़त बनाने की कोशिश से भी बताया जा रहा है।

समाजवादी पार्टी की लिस्ट पर नजर डालें तो इसमें कुछ ऐसे नेताओं को भी टिकट दिया गया है, जो कुछ समय पहले कांग्रेस छोड़कर पार्टी में पहुंचे हैं। इनमें अन्नू टंडन का नाम सबसे प्रमुख है। अन्नू टंडन पुरानी कांग्रेसी हैं। उन्नाव से वह सांसद भी रह चुकी हैं। हालांकि इस सीट से फिलहाल भाजपा के साक्षी महाराज सांसद हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में अन्नू टंडन कांग्रेस से प्रत्याशी थीं और तीसरे स्थान पर रही थीं। समाजवादी पार्टी दूसरे नंबर पर रही थी। अब अन्नू टंडन को सपा से टिकट मिला है। इसी तरह अकबरपुर लोकसभा सीट से सपा ने राजाराम पाल को प्रत्याशी बनाया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में राजाराम कांग्रेस के टिकट पर मैदान में थे। वह तीसरे नंबर पर रहे थे। उस चुनाव में ये सीट सपा-बसपा गठबंधन के तहत बसपा के खाते में गई थी। बसपा दूसरे नंबर पर रही थी और जीत भाजपा के देवेंद्र सिंह भोले की हुई थी। इसी प्रकार से समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को झटका देते हुए फर्रूखाबाद से डॉ. नवल किशोर शाक्य को प्रत्याशी बनाया है। फर्रूखाबाद सीट से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद चुनाव लड़ते रहे हैं। 2019 में सलमान खुर्शीद तीसरे स्थान पर रहे थे। इस सीट पर भी गठबंधन के तहत बसपा ने मनोज अग्रवाल को टिकट दिया था, जो दूसरे नंबर रहे थे। भाजपा के मुकेश राजपूत ने यहां से जीत दर्ज की थी। कांग्रेस लखनऊ लोकसभा सीट पर भी हर बार जोर लगाती रही है। पिछली बार प्रमोद कृष्णम को यहां से प्रत्याशी बनाया गया था, लेकिन काफी कोशिश के बाद भी कांग्रेस यहां तीसरे स्थान पर रही थी। पिछली बार सपा-बसपा गठबंधन के तहत इस सीट पर सपा ने फिल्म अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा की पत्नी पूनम सिन्हा को मैदान में उतारा था लेकिन वह भी दूसरे स्थान पर ही रही थीं। इस बार समाजवादी पार्टी ने आगे बढ़ते हुए पहले ही रविदास मेहरोत्रा को प्रत्याशी ऐलान कर दिया है। अब देखना ये होगा कि क्या कांग्रेस इन्हें समर्थन देती है फिर कोई और फैसला लेगी।

सपा ने कुछ पुराने सांसदों को भी टिकट दिया है, इसमें सबसे चर्चित नाम संभल के सांसद शफीकुर्रहमान बर्क का है, जो इस समय सबसे उम्र दराज सांसद हैं। बर्क की छवि एक कट्टर मुस्लिम नेता वाली रही है। वह अयोध्या में रामलला के मंदिर के निर्माण से लेकर इसको लेकर दिये गये सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर भी सवाल खड़ा करने में सबसे आगे रहे थे। मोदी के कट्टर विरोधी बर्क पर एक बार फिर अखिलेश ने भरोसा जताया है। डॉ शफीकुर्रहमान बर्क पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बड़े मुस्लिम नेता के रूप में जाने जाते हैं। वे पांच बार के सांसद और चार बार विधायक रहे हैं। बर्क 2019 में सपा के टिकट पर संभल लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर सदन पहुंचे थे। चार बार के विधायक डॉ. बर्क ने 1996 में सपा के टिकट पर पहली बार लोकसभा का चुनाव जीता था। हालांकि, 2009 में वे मायावती की बसपा के टिकट पर जीतकर लोकसभा पहुंचे थे। वह पहली बार 1974 में बीकेडी के टिकट पर संभल से विधायक बने थे। 1996 में सपा उम्मीदवार के तौर पर मुरादाबाद से लोकसभा सांसद बने डॉ. बर्क की पश्चिमी यूपी की राजनीति पर पकड़ के कारण ही अखिलेश उन्हें नजरअंदाज नहीं कर पा रहे हैं।

डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क वर्ष 2014 में पहली मोदी लहर में जरूर चुनाव हार गये थे। उन्हें भारतीय जनता पार्टी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। यह पहला मौका था जब उन्हें संभल सीट से हार झेलनी पड़ी थी। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के सत्यपाल सिंह ने सपा के कद्दावर नेता को 5174 वोटों से मात दी थी। इस चुनाव में सत्यपाल सिंह को 3,60,242 वोट मिले थे। वहीं, डॉ. बर्क 3,55,068 वोट हासिल कर पाए थे। इस चुनाव में बसपा तीसरे स्थान पर रही थी। वर्ष 2019 के चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन का फायदा डॉ. बर्क को मिला। इस चुनाव में डॉ. बर्क 6,58,006 और भाजपा के परमेश्वर राव सैनी को 4,83,180 वोट मिले थे। डॉ. बर्क ने मोदी-योगी लहर के बाद भी 1,74,826 वोटों से जीत दर्ज कर अपनी सीट पर दोबारा कब्जा जमाया था।

बात भाजपा की बात करें तो वह प्रत्याशियों का ऐलान हमेशा से पहले करती रही है। हाल ही में हुए राज्यों के विधानसभा चुनाव में भी ऐसा ही देखने को मिला था, जब भाजपा ने छत्तीसगढ़-मध्य प्रदेश चुनाव में पहले ही उम्मीदवारों की घोषणा कर मनोवैज्ञानिक बढ़त ले ली थी। यूपी में वैसे तो बहुजन समाज पार्टी का सबसे पहले प्रत्याशियों के ऐलान का इतिहास रहा है। कई बार तो ये स्थिति देखी गई जब चुनाव के कई महीने पहले ही प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया गया और चुनाव आते-आते दो बार टिकट बदल भी दिया गया। लेकिन पिछले कुछ चुनावों से बसपा का प्रदर्शन काफी कमजोर रहा है। इसका सीधा असर टिकट बंटवारे में भी देखने को मिलता रहा है। बसपा को कायदे के उम्मीदवार भी नहीं मिल पा रहे हैं। यही हाल उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का है। वह दो दर्जन सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा तो कर रही है, लेकिन दमदार प्रत्याशियों का उसके यहां भी टोटा है। कुल मिलाकर सपा टिकट बांटने में जरूर अव्वल नजर आ रही है, लेकिन उसकी चुनावी डगर में फूल और शूल दोनों नजर आ रहे हैं।

-अजय कुमार

भारतीय बाजार में जल्द लॉन्च होगी Mercedes Benz Gls Facelift, जानें इसमें क्या कुछ होगा खास

कंपनी 8 जनवरी 2024 को अपनी लग्जरी GLS फेसलिफ्ट SUV को लॉन्च करने वाली है। इस फेसलिफ्ट मॉडल का लुक और इंटीरियर दोनों ही दमदार है। इस 7 सीटर एसयूवी में कैटलाना ब्राउन और ब्राउन थीम वाले अपहोल्स्ट्री का ऑप्शन देगी। इस कार की कीमत लगभग 1.5 करोड़ रुपये हो सकती है।पीछे की ओर टेललैंप में 3 हॉरिजॉन्टल ब्लॉक पैटर्न मिलता है।

,नई दिल्ली। बस अब कुछ ही दिनों में ये साल बीत ही जाने वाला है। नए साल में मर्सिडीज एक बड़ा धमाका करने वाली है। कंपनी 8 जनवरी, 2024 को अपनी लग्जरी GLS फेसलिफ्ट SUV को लॉन्च करने वाली है। इस फेसलिफ्ट मॉडल का लुक और इंटीरियर दोनों ही दमदार है। इस 7 सीटर एसयूवी में कैटलाना ब्राउन और ब्राउन थीम वाले अपहोल्स्ट्री का ऑप्शन देगी। इस कार की कीमत लगभग 1.5 करोड़ रुपये हो सकती है।

टेललैंप में 3 हॉरिजॉन्टल ब्लॉक पैटर्न मिलता है

नई मर्सिडीज बेंज GLS में मौजूदा मॉडल की तुलना में स्टाइलिंग में मामूली बदलाव किए गए हैं। इसके ग्रिल में 4 हॉरिजॉन्टल लावर्स को सिल्वर शैडो फिनिश दी गई है। कार में फ्रंट बंपर हाई -ग्लोस ब्लैक सराउंड के साथ एयर इनलेट ग्रिल्स मिलता है। पीछे की ओर टेललैंप में 3 हॉरिजॉन्टल ब्लॉक पैटर्न मिलता है। हेडलैंप को नया एलईडी पैटर्न दिया गया है।

फेसलिफ्टेड GLS में अपडेट इंफोटेनमेंट मिलेगा

नई फेसलिफ्टेड GLS में अपडेटेड इंफोटेनमेंट मिलेगा, जो 3 अलग-अलग डिस्प्ले मोड- क्लासिक, स्पोर्टी और डिस्क्रीट के साथ MBUX का लेटेस्ट वर्जन मिलता है। इस लग्जरी कार में नया 'ऑफ-रोड' मोड को जोड़ा गया है।

मौजूदा 3.0-लीटर, डीजल इंजन मिल सकता है

इस कार में ऑफ -रोड स्थितिय पर चलने के लिए कंपनी का सिग्नेचर पारदर्शी बोनट होगा। इस कार में मौजूदा 3.0-लीटर, डीजल इंजन के साथ पेश किया जा सकता है।

मारुति की इन कारों को खरीदने से पहले यहां देखें वेटिंग पीरियड, Brezza, Fronx और Grand Vitara तक शामिल

Maruti Brezza waiting period फ्रोंक्स को कंपनी ने इसी साल लॉन्च किया था जबकि ग्रैंड विटारा को बीते साल ही लॉन्च किया गया था। वहीं ब्रेजा को पहली बार साल 2016 में लॉन्च किया गया था और बीते साल इसका फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च किया गया था।प्रोडक्शन बढ़ाने से मारुति को ग्रैंड विटारा और ब्रेजा का वेटिंग पीरियड कम करने के लिए मदद मिलेगी।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मारुति सबसे अधिक कारों की सेल करने वाली कंपनी में से एक है। इस साल मारुति ने अपनी कई कारें लॉन्च की है। ब्रेजा, फ्रोंक्स और ग्रैंड विटारा इन दिनों मारुति की सबसे अधिक बिकने वाली कार में से एक है। फ्रोंक्स को कंपनी ने इसी साल लॉन्च किया था जबकि ग्रैंड विटारा को बीते साल ही लॉन्च किया गया था। वहीं ब्रेजा को पहली बार साल 2016 में लॉन्च किया गया था और बीते साल इसका फेसलिफ्ट वर्जन लॉन्च किया गया था। इन तीनों को लोगों द्वारा काफी अधिक पसंद किया गया है। बढ़ती डिमांड के कारण इस कार की वेटिंग पीरियड बढ़ गया है।

ग्रैंड विटारा का वेटिंग पीरियड 5 महीने से घटाकर 2.5 महीने का रह गया है

प्रोडक्शन बढ़ाने से मारुति को ग्रैंड विटारा और ब्रेजा का वेटिंग पीरियड कम करने के लिए मदद मिलेगी। ग्रैंड विटारा का वेटिंग पीरियड 5 महीने से घटाकर 2.5 महीने का रह गया है। वहीं ब्रेजा का वेटिंग पीरियड 1 महीने का हो गया है जो कि पहले 4.5 महीने तक था। वहीं मारुति फ्रोंक्स के लिए इस कार का वेटिंग पीरियड 3.5 महीने तक का हो गया है। ब्रेजा की हर महीने लगभग 14 हजार से अधिक यूनिट सेल हो रही है। ग्रैंड विटारी की लगभग 11,000 से 12,000 यूनिट सेल हो रही हैं। इसके अलावा , फ्रोंक्स की हर महीने औसतन 13,500 यूनिट सेल हो रही है। जिम्नी की हर महीने 4 हजार से 5 हजार यूनिट सेल हो रही है। इस महीने कंपनी की एसयूवी सेगमेंट में 22.5 प्रतिशत की मार्केट में हिस्सेदारी है।

Brezza, Fronx और Grand Vitara की कीमतें

भारतीय बााजर में ब्रेजा की कीमत 8.29 लाख रुपये से 14.14 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) तक है। वहीं फ्रॉक्स की कीमत 7.46 लाख रुपये से लेकर 13.14 लाख रुपये तक है। ग्रैंड विटारा की कीमत 10.70 लाख रुपये से 19.99 लाख रुपये एक्स शोरूम कीमत है।

440cc इंजन के साथ Hero लेकर आने वाली है दमदार बाइक, देखें क्या दिए जाएंगे फीचर्स

यह साल ऑटो इंडस्ट्री के लिए शानदार रहा है। कंपनियां अगले साल भी खूब वाहन लॉन्च करेंगी तो हीरो मोटोकॉर्प नए साल की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में करने की कोशिश करेगा। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा कि हीरो इन दिनों एक बाइक पर काम कर रही है। जिसे अगले साल पेश किया जाएगा। आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। साल 2024 में वाहन निर्माता कंपनियां शानदार अंदाज में एंट्री करने की कोशिश करेंगी। वहीं हीरो मोटोकॉर्प नए साल की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में करने की कोशिश करेगा। बता दें, इस वर्ष दोपहिया वाहन निर्माता के साथ साझेदारी में हार्ले-डेविडसन ने X440 रोडस्टर बाइक को लॉन्च किया था। अब ऐसे में ग्राहक इस साल भी इनसे अच्छी उम्मीद बैठे हैं।

पेश की जाएगी नई बाइक

रिपोर्ट्स में कहा जा रहा कि जनवरी महीने में हीरो के द्वारा 440 सीसी मोटरसाइकिल को पेश किया जाएगा। इस वर्ष हीरो और हार्ले डेविडसन इंडिया की साझेदारी के तहत Harley Davidson X440 को पेश किया गया था। इस बाइक को ग्राहकों ने खूब प्यार दिया था।

ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि इन दोनों की साझेदारी में आने वाले साल भी 440 सीसी इंजन के साथ एक नई बाइक ग्राहकों को देखने को मिल सकती है।

खबरों में कहा जा रहा है कि कंपनी निकट भविष्य में अपने प्रमुख एडवेंचर टूरर और फेयर्ड सुपरस्पोर्ट के लिए एक नया 420 सीसी लिक्विड-कूल्ड इंजन पेश करेगी। वर्तमान समय में हीरो के पास तीन इंजन लाइन-अप मौजूद हैं और इन्हीं में से एक लाइन-अप पर ये आधारित बाइक जनवरी 2024 में देखने को मिल सकती है।

कैसा मिलेगा इंजन?

कहा जा रहा है कि आगामी मोटरसाइकिल में 440 सीसी का एयर कूल्ड सिंगल सिलेंडर प्रदान किया जाएगा, जो 27 बीएचपी की अधिकमत शक्ति 6,000 आरपीएम पर और 4,000 आरपीएम पर 38 एनएम का पीक टॉर्क पैदा करने में सक्षम होगा। उम्मीद है इसमें 6 स्पीड ट्रांसमिशन दिया जाएगा। हीरो की आगामी बाइक में 3.5 इंच का टीएफटी डिस्प्ले और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी फीचर मिलने की संभावना है।

अपडेटेड 2024 बजाज चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर में क्या कुछ हो सकता है खास, यहां पढ़ें डिटेल्स

बजाज ऑटो जल्द ही अपने अपडेटेड चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर को नए साल पर पेश करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।नया इलेक्ट्रिक स्कूटर नए स्टाइल और मैकेनिज्म के साथ आ सकता है।लीक हुई डिटेल्स के मुताबिक 2024 में बजाज चेतक अर्बन और प्रीमियम वेरिएंट के बीच एक दमदार अपडेट के साथ आएगी। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को एक बार चार्ज करने पर 127 किमी तक की रेंज मिल सकती है।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में बजाज ऑटो जल्द ही अपने अपडेटेड चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर को नए साल पर पेश करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। यह नया इलेक्ट्रिक स्कूटर नए स्टाइल और मैकेनिज्म के साथ आ सकता है। चलिए आपको इसके बारे में और भी डिटेल से बताते हैं।

2024 बजाज चेतक

लीक हुई डिटेल्स के मुताबिक 2024 में बजाज चेतक अर्बन और प्रीमियम वेरिएंट के बीच एक दमदार अपडेट के साथ आएगी। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को एक बार चार्ज करने पर 127 किमी तक की रेंज मिल सकती है। इसके साथ ही इसमें एक बड़ा 3.2 kwh का बैटरी पैक मिलता है। इसकी बैटरी चार्ज होने में 4 घंटे 30 मिनट का समय लगाती है।

2024 बजाज चेतक फीचर्स

2024 बजाज चेतक का नया मॉडल 73 किमी. प्रति घंटे की हाई स्पीड दे सकता है। इसमें, अपडेटेड नई TFT स्क्रीन होगी, जो वर्तमान में मॉडल पर देखी जाने वाली गोल LCD यूनिट की जगह लेगी। इसके साथ ही इसमें टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (TPMS), रिमोट लॉक/अनलॉक, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी फीचर्स देखने को मिल सकते हैं। इसके साथ ही इसमें 21 लीटर का बूट स्पेस मिलता है।

2024 बजाज चेतक का मुकाबला

बजाज चेतक ऑल मेटर बॉडी वाला एकमात्र इलेक्ट्रिक स्कूटर है। इसकी ब्रिकी भी काफी अधिक होती है। इसे पहली बार 2020 में लॉन्च किया गया था। बजाज कई समय से अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर को अपडेट कर रहा है। लेकिन इस बदलाव में यूटिलिटी में कई बदलाव आ सकता है। वाहन निर्माता कंपनी इसको अपडेट करेगी तो इसकी कीमत में भी काफी उछाल देखने को मिलेगा। अपग्रेड के बाद इस स्कूटर का मुकाबला TVS iQube, एथर 450X, सिंपल वन, ओला S1 प्रो से होगा।

कम कीमत में आती है ये ऑटोमेटिक कारें, कीमत 5.90 लाख रुपये से शुरू

आज हम आपके लिए मार्केट में मौजूद सस्ती ऑटोमेटिक कारों की लिस्ट लेकर आए हैं।मारुति सुजुकी भारतीय बाजार में सबसे अधिक कारों की सेल करने वाली कंपनी में से एक है। ये एक पॉपुलर हैचबैक कार है। इसमें 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन मिलता है।इस कार की एक्स शोरुम कीमत 5 .61 लाख रुपये है वहीं इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 5 .90 लाख रुपये तक जाती है।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में कई दमदार कारें मौजूद है। आज के समय में ऑटोमेटिक कारों की डिमांड काफी तेजी से बढ़ते जा रही है। क्या आप भी अपने लिए एक नई ऑटोमेटिक कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आज हम आपके लिए मार्केट में मौजूद सस्ती ऑटोमेटिक कारों की लिस्ट लेकर आए हैं।

Maruti Suzuki Alto K10

मारुति सुजुकी भारतीय बाजार में सबसे अधिक कारों की सेल करने वाली कंपनी में से एक है। ये एक पॉपुलर हैचबैक कार है। इसमें 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन मिलता है। इसके साथ ही इसमें ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का ऑप्शन मिलता है। इस कार की एक्स शोरुम कीमत 5.61 लाख रुपये है वहीं इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 5.90 लाख रुपये तक जाती है।

Renault Kwid

ये मार्केट में सबसे सस्ती ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आने वाली कार है। इस कार को सबसे अधिक इसके कीमत, डिजाइन, फीचर्स और माइलेज के लिए पसंद किया जाता है। इसमें 999cc का इंजन 1.0 लीटर का पेट्रोल इंजन मिलता है। इस कार की शुरुआती कीमत 6.12 लाख रुपये है और इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 6.39 लाख रुपये तक जाती है।

Maruti Suzuki WagonR

WagonR भारतीय बाजार में सबसे अधिक सेल होती है। ये कंपनी की बेस्ट सेलिंग कार है। इसको कीमत और माइलेज के कारण अधिक पसंद किया जाता है। इस कार में कुल दो वेरिएंट वीएक्सआई और जेडएक्सआई में मिलता है। इस कार की शुरुआती कीमत 7 लाख रुपये है।

Tata Tiago

टाटा मार्केट में सबसे अधिक कारों की सेल करती है। टाटा की सबसे अधिक बिकने वाली कार में से एक टियागो है। इस कार में 1.2 लीटर का पेट्रोल इंजन मिलता है। इसके साथ ही इसमें एएमटी गियरबॉक्स का ऑप्शन भी मिलता है। इस कार की एक्स शोरूम कीमत 6.94 लाख रुपये से शुरू है।

Maruti Suzuki Celerio

देश में सस्ती ऑटोमैटिक कार की लिस्ट में मारुति सुजुकी सेलेरियो शामिल है। इसमें 998cc का इंजन मिलता है। इसमें ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का ऑप्शन मिलता है। इस कार की शुरूआती कीमत 6.38 लाख रुपये (एक्स शोरूम) है।

कांग्रेस लगातार एक से बढ़ कर एक ऐतिहासिक भूल कर रही है!

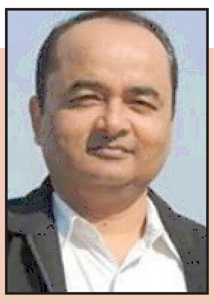

उमेश चतुर्वेदी ।

कांग्रेस का कदम उसकी उसी पारंपरिक राजनीति का विस्तार माना जा सकता है, जिसमें वह सांप्रदायिकता विरोध की राजनीति को धार देने का दावा करती रही है। जिसके जरिए वह अल्पसंख्यकवाद को ही पल्लवित और पुष्पित करती रही है।

कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी में कोई समानता हो सकती है? सांप्रदायिकता और मोदी विरोध के नाम पर दोनों दल करीब दो दशक से साथ हैं। करीब ढाई दशक पहले मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी को केंद्र सरकार बनाने का मौका मिला, लेकिन पार्टी ने उसे नकार दिया। तो क्या कांग्रेस भी वैसी ही ऐतिहासिक भूल कर रही है? कांग्रेस को लेकर यह सवाल राजनीतिक हलकों में उसके हालिया कदम के बाद पूछा जा रहा है। रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास ने 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए कांग्रेस को बुलावा भेजा था। पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, मौजूदा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष अधीर रंजन चौधरी को समारोह में शामिल होने का बुलावा मिला। इस समारोह में शामिल होने के लिए कांग्रेस कुछ दिनों तक उहापोह में रही। आखिर में उसने इस समारोह के आमंत्रण को ही एक तरह से ठुकरा दिया। करीब ढाई दशक से कथित सांप्रदायिकता के इर्द-गिर्द राजनीतिक विमर्श चल रहा है, उसकी वजह से एक सियासी हलके के एक वर्ग को कांग्रेस का यह कदम ऐतिहासिक और मजबूत लग रहा है। लेकिन एक वर्ग ऐसा भी है, जिसे लगता है कि कांग्रेस ने इस आमंत्रण को ठुकरा कर ऐतिहासिक गलती की है।

इतिहास का प्रमाणित तथ्य है कि अयोध्या के विवादित ढांचे का ताला कांग्रेस ने ही खुलवाया। शाहबानो मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को संसद के जरिए पलटने के बाद मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए सवालों के घेरे में आई तत्कालीन राजीव सरकार ने ताला खुलवाकर एक तरह से सियासी पासा फेका था। उसे ऐसा लगा कि कुछ महीनों बाद होने वाले आम चुनावों में इस दांव से नाराज पड़े हिंदू मतदाताओं को साधा जा सकेगा। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। चुनाव नतीजों में कांग्रेस सबसे बड़ा दल भले ही बनी, लेकिन बहुमत की संख्या से काफी पीछे चली गई। तब शिलान्यास और ताला खुलवाने को कांग्रेस के अंदर की कट्टर सेकुलरवादी सोच ने गलत बताना शुरू किया। राममंदिर तब से कांग्रेस की नजर में सांप्रदायिकता का प्रतीक बनता चला गया।

लेकिन सवाल यह है कि क्या इसका कांग्रेस को फायदा मिला? लोकतांत्रिक समाज में राजनीतिक फैसलों का आकलन आखिरकार मतदान में मिले समर्थन से ही आंका जाता है। कांग्रेस में ही एक तबका ऐसा है, जिसे लगता है कि बाबरी ध्वंस हुए तीन दशक से ज्यादा हो गए। तब से लेकर अब तक सरयू में काफी पानी बह चुका है। इसलिए इस मुद्दे पर पार्टी को अलग रवैया अख्तियार करना चाहिए। हालांकि उस वर्ग की पार्टी में कम सुनी जाती रही। इसका ही नतीजा रहा कि सर्वोच्च न्यायालय में राममंदिर को लेकर जारी मुकदमे में विरोध में उतरे नेताओं ने राम को काल्पनिक पात्र बताने में हिचक नहीं दिखाई। मीर बाकी ने मंदिर ध्वस्त करके मस्जिद बनवायी थी, उस तथ्य को भी कांग्रेस का प्रभावी तबका नकारता रहा। कांग्रेस के इस कदम को उत्तर भारत के मतदाताओं के एक बड़े वर्ग ने चिढ़ाने के अंदाज में लिया। निश्चित तौर पर भारतीय जनता पार्टी को इसका भी फायदा मिला। विगत दस सालों से केंद्र की सत्ता पर वह काबिज जिन वजहों से है, उसमें एक वजह यह भी है। लेकिन कांग्रेस के बौद्धिक सलाहकारों का प्रभावी तबका इस तथ्य को या तो समझ नहीं रहा है या फिर समझते हुए भी जानबूझकर नकार रहा है।

22 जनवरी के आयोजन को लेकर देशभर में भारतीय जनता पार्टी और संघ परिवार के कार्यकर्ता संपर्क कर रहे हैं। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के आमंत्रण को लेकर जमीनी स्तर पर जिस तरह आम लोगों का समर्थन मिल रहा है, वह सिर्फ सनातन आस्था का उभार का प्रतीक ही नहीं है। बल्कि यह उत्साह एक तरह से भावी चुनावों की बानगी भी पेश कर रहा है। कांग्रेस ने जिस तरह आमंत्रण को ठुकराया है, उससे ऐसा प्रतीत होता है, मानो वह जमीन पर जारी इस उत्साह को समझ नहीं पा रही है।

कांग्रेस का कदम उसकी उसी पारंपरिक राजनीति का विस्तार माना जा सकता है, जिसमें वह सांप्रदायिकता विरोध की राजनीति को धार देने का दावा करती रही है। जिसके जरिए वह अल्पसंख्यकवाद को ही पल्लवित और पुष्पित करती रही है। ध्यान देने की बात है कि ऐसा करने के बावजूद राममंदिर आंदोलन के उभार के बाद राजनीतिक संख्या बल के लिहाज से ताकतवर उत्तर भारत के राज्यों में कांग्रेस का समर्थक आधार लगातार कमजोर होता चला गया है। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में तो भाजपा विरोध का उसकी बजाय समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल जैसे दलों को फायदा मिला है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और बिहार में राष्ट्रीय जनता दल अल्पसंख्यक वोटरों की पहली पसंद हैं। इन दोनों राज्यों में लोकसभा की 120 सीटें आती हैं। लेकिन कांग्रेस के पास महज दो सीटें ही हैं।

अतीत में उत्तर भारत में कांग्रेस ब्राह्मण, दलित और अल्पसंख्यक वोटरों के समीकरण से तैयार राजनीतिक रसायन से सत्ता का मुरब्बा तैयार करती रही है। लेकिन राममंदिर आंदोलन के बाद उसका ब्राह्मण वोट बैंक छिटक गया, जिन अल्पसंख्यकों के लिए समर्थन के लिए वह राममंदिर आंदोलन को सांप्रदायिकता की आंच में पकाती रही, वे अल्पसंख्यक भी उसके साथ नहीं रहे। मौजूदा दौर में राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह में शामिल न हो पाने का सियासी नफा-नुकसान क्या हो सकता है, यह उत्तर की बजाय कांग्रेस के दक्षिण के क्षत्रप ज्यादा समझ रहे हैं। शायद यही वजह है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने प्रतिष्ठा समारोह के आमंत्रण को लेकर अप्रत्यक्ष तौर पर उम्मीद दिखाने से परहेज नहीं किया।

बीते पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सिर्फ तेलंगाना में जीत मिली। इसके बाद कांग्रेस ने नया नैरेटिव पेश किया। कांग्रेस का कहना था कि विंध्य के दक्षिण के मतदाताओं पर सांप्रदायिकता का असर नहीं होता। वे जमीनी मुद्दों पर मतदान करते हैं, जबकि उत्तर के मतदाता सांप्रदायिकता, धर्म और जाति पर मतदान करते हैं। हालांकि यह भी अधूरा सच ही है। चूंकि भारतीय जनता पार्टी के लिए दक्षिण के राज्य अब भी प्रश्न प्रदेश बने हुए हैं, इसलिए कांग्रेस ऐसी सोच रखती है। लेकिन सवाल यह है कि क्या दक्षिण के राज्यों के ही सहारे वह केंद्रीय राजनीति की धुरी बन सकती है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। कांग्रेस को शायद यह लग रहा है कि अगर वह सांप्रदायिकता विरोध की जमीन पर खड़ी रहेगी तो सवर्ण मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग अब भी ऐसा है, जो उसकी ओर खिंचा चला आ सकता है और अल्पसंख्यक वोटरों का समर्थन उसे थोक में मिल सकता है। हालांकि विगत दो-ढाई दशकों का चुनाव नतीजों के आंकड़े कुछ और ही कहते हैं।

कांग्रेस के एक वर्ग का मानना है कि पार्टी आलाकमान को राममंदिर के प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होना चाहिए था। उसे बताना चाहिए था कि राम सबके हैं। संयोग से भाजपा ने राम को लेकर यही नारा भी दिया है। प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होकर पार्टी राममंदिर पर भाजपा के स्टैंड में किंचित सेंध लगा सकती थी। कांग्रेस के ही एक धड़े का यह भी मानना है कि प्रतिष्ठा समारोह की बजाय पार्टी आलाकमान को अगले दिन राममंदिर के परिसर में अपने समर्थकों के साथ दर्शन का कार्यक्रम बनाना चाहिए था। कांग्रेस आलाकमान तब यह भी बयान दे सकता था कि राम उसके लिए राजनीति के माध्यम नहीं हैं, बल्कि उसके भी पूज्य हैं। पार्टी में ऐसी समझ रखने वाला तबका आलाकमान के फैसले से निराश है। उसे लगने लगा है कि जमीनी स्तर पर मंदिर को लेकर जारी उत्साह के चलते पार्टी का यह कदम उसे भारी पड़ सकता है।

आखिर में एक बार सीपीएम से कांग्रेस की तुलना की बात..1996 में सत्ता को नकारने वाली सीपीएम ने बाद के दिनों में अपने उस कदम को ऐतिहासिक भूल करार दिया था। कांग्रेस ने जिस तरह राममंदिर के प्रतिष्ठा समारोह में शामिल न होने का फैसला किया है, उससे उसकी चुनावी संभावनाओं पर असर पड़ सकता है। अगर ऐसा हुआ तो क्या वह सीपीएम की तरह मानेगी कि उसने ऐतिहासिक भूल किया था। वैसे उसके कार्यकर्ताओं का एक वर्ग तो अभी से ही ऐसा मानने लगा है। चौपाल-चौराहों की चर्चाओं में यह सोच प्रतिध्वनित होने भी लगी है।

संपादक की कलम से

तुलसी को तुलसीदास बनाने वाली विस्मृत

रत्नावली का भी स्मारक बनना चाहिए। अयोध्या जी के राम मंदिर में जहां तुलसीदास जी विराजमान होंगे, वहां रत्नावली क्यों नहीं? वैसे भी हमारे देश में तो यह माना ही जाता है कि जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं, पर रत्नावली केवल पूजा की ही अधिकारी नहीं, अपितु वह तो तुलसीदास जी को गृहस्थ आश्रम की मोहमाया से मुक्त करके गोस्वामी तुलसीदास बनाने वाली है। यह देश को याद रखना होगा और आज तक जो सम्मान हम रत्नावली को नहीं दे सके अब देना ही चाहिए। हम कृतज्ञ हैं मैथिलीशरण गुप्त जी के जिन्होंने भगवान बुद्ध की पत्नी यशोधरा और लक्ष्मण पत्नी उर्मिला को अपने काव्य द्वारा गौरवान्वित किया, जन-जन तक पहुंचाया। अब रत्नावली की ओर भी किसी महाकवि की लेखनी और धर्म गुरुओं का ध्यान जाना ही चाहिए'

गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस जैसे महान महाकाव्य की रचना करके हर घर में सरल भाषा में राम नाम पहुंचा दिया। गोस्वामी तुलसीदास जी के लिए एक महाकवि ने लिखा : सुरतिय, नरतिय, नागतिय अस चाहती सब कोय, गोद लिए हुलसी फिरें तुलसी सो सुत होय।। अर्थात देवता, मानव आदि सभी वर्णों, जातियों की महिलाएं बड़ी प्रसन्नता के साथ गोद में अपने-अपने बालक को लेकर अर्थात जन्म देने की प्रक्रिया पूरी करते हुए बहुत हुलसित रहती हैं, क्योंकि सबकी यही चाह होती है कि तुलसी जैसा पुत्र हो। यहां हुलसी का अर्थ प्रसन्न भी है और हुलसी तुलसीदास जी की माता का नाम भी है। सभी माताएं तुलसी जैसा पुत्र पाने की अभिलाषा के साथ ही हर्षित होकर गर्भ धारण करतीं, प्रसव पीड़ा सहतीं और योग्य संतान पाकर हर्षित होती। हर मां तुलसीदास जी जैसी संतान पाकर बहुत ज्यादा गौरवान्वित अनुभव करतीं, पर तुलसी तो कई पैदा हुए, लेकिन गोस्वामी तुलसीदास तो एक ही बन सका और वह पूरे विश्व में जहां-जहां भारतीय समाज, सनातनी, हिंदू बसे हैं वहां तक रामचरितमानस घरों की शोभा बन चुका है और दैनिक जीवन में भी रामचरितमानस के दोहे, चौपाइयां गाता, दोहराता है। रघुकुल रीत सदा चला आई, प्राण जाई पर वचन न जाई। यह भारतीय जीवन का आदर्श बन गया, यद्यपि आज राजनीति में वचन का कोई महत्व नहीं रहा, पर राम जी में था, राम राज्य में था। हम भारतीय कृतज्ञ हैं। कृतज्ञता हमारे चरित्र, संस्कृति का स्वभाव है, प्रमुख गुण है, पर आज तक मैं यह नहीं समझ पाई कि जिस रत्नावली जी के कारण तुलसी तुलसीदास बन गए, उस रत्नावली को समाज और देश क्यों भूल गया। सभी जानते हैं कि तुलसीदास जी के माता-पिता ने उसे गंडमूल नक्षत्र में पैदा होने के कारण त्याग दिया था। उसका पालन-पोषण पहले एक धाय द्वारा और बाद में गुरु के आश्रम में हुआ।

गुरुजी से विद्या प्राप्त करने के पश्चात तुलसीदास जी ने गृहस्थ जीवन में प्रवेश किया और रत्नावली उनकी अर्धांगिनी बनी। रत्नावली एक विदुषी थीं, जिनका जन्म सम्वत 1577 विक्रमी में जनपद कासगंज के सोरों शूकरक्षेत्र अन्तर्वेदी भागीरथी गंगा के पश्चिमी तटस्थ बदरिया (बदरिका/बदरी) नामक गांव में हुआ था। विदुषी रत्नावली के पिता का नाम पंडित दीनबंधु पाठक एवं माता दयावती थीं। विदुषी रत्नावली का पाणिग्रहण सम्वत 1589 विक्रमी में सोरों शूकरक्षेत्र निवासी पंडित आत्माराम शुक्ल के पुत्र पंडित तुलसीदास जी के साथ हुआ। सम्वत 1604 विक्रमी में जब रत्नावली मात्र 27 वर्ष की ही थीं, तब एक बार तुलसीदास जी रत्नावली के मायके ही उसके पास पहुंच गए। आज के युग में यह असाधारण नहीं लगता। निश्चित ही उस युग में इसे उचित नहीं माना जाता होगा। विदुषी रत्नावली ने अपने पति से कहा : लाज न आवत आपको, दौरे आयहु साथ। धिक-धिक ऐसे प्रेम को, कहा कहौं मैं नाथ॥ अस्थि चर्म मय देह मम तामे जैसी प्रीति। तैसी जौ श्री राम महं होति न तौ भवभीति॥ इस घटना से तुलसीदास जी की मानो अंतर्चेतना एक नई चमक से भर गई और उसी समय तुलसीदास घर से वाराणसी पहुंच गए।

राय

हिमाचली उद्देश्यों की परवरिश

हिमाचल में सरकार की कोशिश विधायकों की सियासी सहूलियत में परवान चढ़े या राज्य के संकल्प में पूरा प्रदेश एक साथ कदम उठाए। पूर्ण राज्यत्व दिवस पर मुख्यमंत्री ने छह ग्रीन कोरिडोर को राज्य के प्रारूप में सम्मानित किया और इसी उद्देश्य की परवरिश में विधायक प्राथमिक निधि के साथ इलेक्ट्रिक बस रूट तथा चार्जिंग स्टेशन जोडक़र इसे राज्यव्यापी अभियान बना दिया। इससे पूर्व राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल, विधानसभा क्षेत्रों में आदर्श चिकित्सालय तथा हेलिपोर्ट की जमीन चिन्हित करके राज्य सरकार ने योजनाओं को राज्य स्तरीय व्याख्या दी। बहरहाल विधायक प्राथमिक निधि के दायरे में राज्य अपने संकल्प तैयार कर रहा है, लेकिन इससे इतर हमें प्रदेश को आत्मनिर्भर और समन्वित विकास की धुरी पर खड़ा करना है। राज्य सरकार दुबई से छह हजार करोड़ का निवेश लाने के प्रयास में दूसरी बार उद्योग मंत्री हर्षवर्धन के साथ एक दर्जन अधिकारियों के मार्फत करीब आठ सौ औद्योगिक घरानों से बात करेगी। इसी तरह सिंगल विंडो के मार्फत 27 नए उद्योग आशान्वित करते हैं, तो विधायक प्राथमिक क्षेत्र में निवेश का आमंत्रण, स्वरोजगार, स्टार्टअप तथा नए रोजगार की हांक भी आनी चाहिए। हमारे जनप्रतिनिधि आज भी विकास को भविष्य और सरकारी कार्यालयों को इज्जत का पैमाना मानते हैं, जबकि नए हिमाचल को निजी निवेश की दरकार में देखना होगा। हर विधायक अगर पांच साल के कार्यकाल में अपने निर्वाचन क्षेत्र के हिसाब से स्वावलंबन के लिए प्रयास करे, तो निजी क्षेत्र के मार्फत निवेश, रोजगार और प्रगति का परिदृश्य बदलेगा। आज हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक आलीशान बस स्टैंड कम शापिंग काम्प्लेक्स की जरूरत है।

हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक 'पर्यटक गांव' बसाया जा सकता है। यह गांव विभिन्न विभागों के तालमेल, उपलब्ध बजट तथा क्षेत्र की विशिष्टता के आधार पर कहीं हाट बाजार, कहीं धार्मिक स्थल, कहीं ईको टूरिज्म, कहीं जल शक्ति विभाग की सिंचाई एवं बांध परियोजना के साथ नौकायन, कहीं मनोरंजन पार्क, कहीं ट्रैकिंग एवं साहसिक खेल परिसर, कहीं साइंस सिटी, कहीं हाईवे टूरिज्म, कहीं ग्रामीण दस्तकारी बाजार और कहीं फूड मार्ट की तरह विकसित हो सकते हैं। प्रदेश में निजी क्षेत्र को सहूलियत व भूमि मिले तो हर गांव में बस स्टॉप कम शापिंग परिसर, शहरों में ट्रांसपोर्ट नगर, बस स्टैंड, पार्किंग, मनोरंजन स्थल तथा पर्यटन इकाइयां स्थापित की जा सकती हैं। हर विधायक अपने क्षेत्र के स्कूल-कालेजों में स्वरोजगार व स्टार्टअप की पहचान में आदर्श माहौल व प्रेरणा के स्रोत पैदा करे, तो कल का युवा अपने सामर्थ्य और क्षमता के साथ प्रदेश का सारथी बनेगा। हिमाचल के विधायकों का भारत व वैश्विक भ्रमण उन्हें विधानसभाओं के नक्शे बदलने का अवसर देगा। हर विधानसभा क्षेत्र में आवासीय बस्तियां, शहरी अर्थव्यवस्था तथा आधुनिक हिमाचल की आत्मनिर्भरता के लक्ष्य पैदा किए जाएं, तो राज्य का वर्तमान दस्तूर विधायक प्राथमिकताओं को असरदार पैमानों से जोड़ पाएगा। इसके लिए हर विधायक के नेतृत्व में एक लैंड बैंक समिति बनानी चाहिए ताकि विभागीय कोशिशें आपसी तालमेल के साथ एक लक्ष्य के भीतर जमीन की उपलब्धता बढ़ा सके। विधायक के जरिए हर गांव, हर शहर और हर धार्मिक एवं पर्यटक स्थल का भूमि बैंक बने, तो राज्य के दृष्टिकोण में समरूपता आएगी। विधायक कार्यालय को मानव, प्राकृतिक व आर्थिक संसाधनों का संरक्षक, पैरोकार तथा प्रबंधक बनाने की हैसियत से सरकार छूट दे तो लोकतंत्र का यह चेहरा अपनी काबिलीयत तथा क्षेत्रीय जरूरतों के हिसाब से नित नए प्रयोग कर सकता है।

आवश्यक है यूनिफॉर्म ड्रेस कोड

प्रो. सुरेश शर्मा

वर्दी पहनकर सभी को अपने व्यवसाय पर गौरवान्वित महसूस करना चाहिए'

वर्दी या यूनिफॉर्म एक प्रकार की वह पोशाक है जिसे किसी पाठशाला के विद्यार्थियों या किसी संगठन के सदस्यों, कर्मियों या श्रमिकों द्वारा उस संस्थान या संगठन की गतिविधियों में भाग लेते हुए पहनी जाती है। वर्दी को आम तौर पर सशस्त्र बलों, अर्धसैनिक संगठनों जैसे पुलिस, आपातकालीन सेवाओं, सुरक्षा गार्डों, कुछ कार्यस्थलों और स्कूलों के विद्यार्थियों, श्रमिकों तथा जेलों में कैदियों द्वारा पहनी जाती है। किसी संस्था के सदस्यों द्वारा उस संस्था का कार्य करते हुए पहने जाने वाला मानक वस्त्र वर्दी या यूनिफॉर्म कहलाता है। कोई भी परिधान सुन्दर, आकर्षक, सरल, भडक़ाऊ, फैंसी तथा अवसर एवं मौसम अनुरूप हो सकता है, लेकिन जब हम यूनिफॉर्म या वर्दी की बात करते हैं तो यह किसी विशेष संस्थान या संगठन से संबंधित होता है। यह भी आवश्यक है कि यूनिफॉर्म चुस्त-दुरुस्त, स्मार्ट, गरिमापूर्ण तथा संस्थान या संगठन को परिभाषित करती हो। वर्दी एक पहचान होती है जिसमें किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं दिखता। यूनिफॉर्म पहना हुआ व्यक्ति एक संस्था या संगठन को परिभाषित एवं प्रतिबिंबित करता है। यूनिफॉर्म किसी भी व्यक्ति की पहचान तथा शान होती है। डाक्टर, वकील, सैनिक, पुलिस, छात्र, कर्मचारी तथा श्रमिक उनकी वर्दी से पहचाने जाते हैं। वे अपनी वर्दी पर गर्व महसूस करते हैं। भारतवर्ष में भी सशस्त्र बलों, अर्धसैनिक संगठनों, पुलिस बलों तथा सुरक्षा गार्डों के लिए वर्दी या यूनिफॉर्म की अनिवार्यता को लागू किया गया है। इसी तरह सरकारी तथा निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा व्यावसायिक संस्थाओं में भी यूनिफॉर्म पहनी जाती है।

यह व्यक्ति तथा संगठन को पहचान दिलाते हुए उनमें आत्मविश्वास तथा जिम्मेदारी की भावना पैदा करती है। कर्नाटक सरकार ने पांच फरवरी 2022 को कर्नाटक शिक्षा अधिनियम -1983 की धारा 133 (2) को लागू करते हुए आदेश जारी किया कि सभी को एक समान शैली के कपड़े अनिवार्य रूप से पहनने होंगे। इस प्रकार मध्य प्रदेश सरकार ने भी बड़ा फैसला लेते हुए प्रदेश में शासकीय कर्मचारियों को यूनिफॉर्म पहनना अनिवार्य कर दिया है। कुछ समय पहले बिहार सरकार ने भी शिक्षा विभाग में कार्यरत अध्यापकों तथा कर्मचारियों को टी-शर्ट, जीन्स जैसे कैजुअल कपड़े पहन कर कार्यालय में आने पर इसे संस्कृति के विरुद्ध बता कर आपत्ति जताई है। सन-1917 में हिमाचल प्रदेश के माननीय उच्च न्यायालय ने तथा अभी कुछ समय पहले भी प्रदेश के प्रधान सचिव सामान्य प्रशासन ने भी प्रदेश हाईकोर्ट, विभिन्न अदालतों, राज्य सचिवालय तथा कार्यस्थलों पर टी-शर्ट, जीन्स, कैजुअल कपड़े में न आने का सर्कुलर जारी किया था जिसमें चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को वर्दी में आने के सख्त निर्देश देते हुए उल्लंघनकर्ताओं पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की बात की गई थी। विचारणीय है कि जब अमर्यादित, अशिष्ट तथा असभ्य परिधान पहनने की समाज में कहीं भी अनुमति नहीं है तो शिक्षण संस्थाओं के संचालन में तो यह मामला गम्भीर हो जाता है। हिमाचल प्रदेश के शिक्षा विभाग में जहां शिक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए भौतिक संसाधनों के निर्माण तथा अध्यापकों की संख्या पर ध्यान देते हुए बहुत से परिवर्तन हो रहे हैं, वहीं पर संस्थानों में कार्यरत अध्यापकों तथा

विद्यार्थियों की वर्दी से पहचान तथा गरिमापूर्ण बनाने पर भी कार्य किया जा रहा है। शिक्षा सचिवालय तथा शिक्षा निदेशालय स्तर पर मूलभूत परिवर्तन किए जा रहे हैं। क्लस्टर स्तर पर विभिन्न पाठशालाओं के प्रशासन तथा विभिन्न गतिविधियों पर सामंजस्य, नियन्त्रण, मानवीय तथा भौतिक संसाधनों के अधिक प्रयोग पर भी बल दिया जा रहा है।

अब राज्य शिक्षा विभाग ने सत्र 2024-2025 से पाठशालाओं की प्रबन्धन समितियों तथा प्रशासन को अपनी पसन्द की वर्दी चुनने का अधिकार भी दे दिया है। लड़कियों के लिए सलवार, कमीज, शर्ट, स्कर्ट के साथ पैंट आदि चयन करने का अधिकार भी स्कूलों को दे दिया गया है। हालांकि प्रदेश के सभी जिलों में सभी निजी तथा सरकारी स्कूलों में वर्दी चयन का अधिकार देने से सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राओं की विशिष्ट पहचान अब समाप्त हो सकती है। प्रदेश में सभी सरकारी पाठशालाओं के छात्र-छात्राओं की यूनिफॉर्म एक जैसी हो, इस पर पुनर्विचार अभी भी हो सकता है। सरकारी स्कूलों में नए शैक्षणिक सत्र 2024-2025 से विद्यार्थी बालों में जैल, हाथों में नेल पॉलिश, मेहंदी, शरीर पर टैटू, लम्बे या अव्यवस्थित बाल, खुली या तंग पैंट या सलवार पहन कर नहीं आ सकेंगे। सरकार का यह फैसला जहां सराहनीय है वहीं पर पाठशाला मुखियाओं तथा शिक्षकों को भी विद्यार्थियों की जांच व नियन्त्रण आदि अधिकारों में स्वायत्तता तथा शक्तियां दी जाने की आवश्यकता है, अन्यथा पिछले वर्ष जिला ऊना के एक स्कूल प्रधानाचार्या द्वारा छात्र को बाल कटवाने के आदेश के बदले चांटा मारे जाने जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति की भी संभावना है। इसी प्रकार अब हिमाचल प्रदेश में सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के लिए भी नया ड्रैस कोड लागू करने पर भी चर्चा चल रही है। इसके लिए प्रदेश शिक्षा सचिव ने स्वैच्छिक ड्रैस कोड लागू करने के लिए उच्च शिक्षा निदेशक से प्रस्ताव मांगा है। इस बारे प्रदेश की कई पाठशालाओं के प्रधानाचार्यों ने अपने स्तर पर ही पहल भी कर दी है। आने वाले समय में शिक्षकों के लिए फॉर्मल ड्रेस और शिक्षिकाओं के लिए साड़ी या सूट-सलवार का ड्रेस कोड तय होने की संभावना है। गौरतलब है कि देश के अनेक राज्यों में शिक्षकों के लिए भी ड्रेस कोड लागू है। इससे स्कूलों में फैशनेबल कपड़ों पर रोक लगेगी तथा शिक्षक भी गरिमापूर्ण परिधान में स्कूलों में आएंगे।

यह परिवर्तन विद्यार्थियों के लिए भी उदाहरणीय होगा। हालांकि इस बारे शिक्षकों तथा विभिन्न शिक्षक संगठनों की अपनी-अपनी राय है। कुछ शिक्षक संगठन इसे प्रदेश के सभी विभागों के कर्मचारियों में लागू करने की राय रखते हैं। वर्दी, यूनिफॉर्म तथा ड्रेस कोड लागू होने से जहां छात्रों तथा शिक्षकों की विशिष्ट पहचान होगी, वहीं पर वे अनुशासन, जिम्मेदारी के साथ सभी चुस्त-दुरुस्त, आकर्षक तथा गरिमापूर्ण महसूस करेंगे। व्यावसायिकता की दृष्टि से भी यह विचार स्वागत योग्य है। आवश्यकता है कि इस बारे कोई भी अन्तिम फैसला सभी को विश्वास में लेकर तथा सभी की सहमति से हो। वर्दी पहनकर अपने व्यवसाय पर गौरवान्वित महसूस करना चाहिए। विद्यार्थियों तथा शिक्षकों का वर्दी में आना पाठशाला के शैक्षिक वातावरण को और अधिक सार्थक, प्रेरक, शिष्ट, एकरूप, आकर्षक, गौरवपूर्ण तथा गरिमापूर्ण बनाएगा, ऐसी आशा है।

बस, इतना सा ख्वाब था

तो हुआ यों कि पिछले हफ्ते मेरे खास बकवास लेखक दोस्त ने मुझे अपनी किताब सादर भेजी। वह भी बुकपोस्ट से नहीं, स्पीडपोस्ट से। जैसे मैं पता नहीं कितना महान पाठक होऊं। यह पता होते हुए भी कि मैं किताब फ्रेंडली बिल्कुल नहीं। पर दोस्त ने दोस्त को किताब भेजी तो मुझे खुशी हुई। वह भी स्पीड पोस्ट से। पूरे सौ रुपए खर्च कर। दोस्त को किताब भेजना एक बात है तो उससे अपनी किताब पढ़वाना दूसरी बात। वैसे दोस्त दोस्तों की किताबें पढ़ते कहां हैं? लेकिन उन्हें किताब सादर, सप्रेम भेंट न करो तो ऐसे मुहं फुला देते हैं कि पूछो ही मत। सच कहूं तो मुझे नर्सरी क्लास से ही किताबों से बहुत अलर्जी रही है। उन दिनों जरा सी भी किताब भूल से छू भी लेता तो मुझे सिर से पांव तक अलर्जी हो जाती। अब आप पूछोगे कि फिर मेरे नाम के आगे डॉक्टर साहब कैसे लगा? रहने दीजिए। बहुतों की तरह ये मेरा सीक्रेट मामला है। अभी मैंने उनकी किताब लिफाफे से निकाली भर थी कि उनका फोन आ गया। फोन कान से लगाते ही उन्होंने जासूस के लहजे में पूछा, 'डियर! हफ्ता पहले मैंने तुम्हें अपनी किताब भेजी थी स्पीड पोस्ट से। मिली कि नहीं?' 'हां! मिल गई है', मैंने सीधे शब्दों में कहा। कहना तो चाहता था कि अपनी किताब की एक प्रति भेज क्यों अपनी चार सौ रुपए की किताब खराब कर दी। पर चुप रहा। 'तो कैसी लगी मेरी किताब?' हर लेखक की तरह अपने पाठक को फ्री में भेजी किताब पर एक बेकार का सा पहला प्रश्न! 'बाइंडिग अच्छी है। प्रकाशक ने कागज अच्छा लगाया है। पर सॉरी! अभी मैं उसके भीतर जाने का जरा सा भी साहस नहीं जुटा पाया।'

'डियर! वह मैंने पढऩे के लिए भेजी भी नहीं है। क्योंकि मैं जानता हूं तुम्हारी पढऩे में बचपन से ही रुचि नहीं रही है।' 'तो फिर किसलिए भेजी है? ड्राइंग रूम की अलमारी में सजाने के लिए? ठीक है, वहां रख देता हूं', मेरा गुस्सा सातवें आसमान पर। जब हमको किसी की रुचियों के बारे में अपनी रुचियों से भी अधिक पता हो तो बार बार उसकी रुचियों को लेकर उसकी भद्द कर उसका गर्व से उठा सिर शर्म से झुकवाना अच्छा होता है क्या? 'सॉरी! मुझे तो लगा था कि शायद अभी मेरी पुस्तक तुम तक नहीं पहुंची होगी। बस इसीलिए 'डाक विभाग का हाल तो तुम हाल जानते ही हो', वे लाइन पर आए। 'देखो दोस्त! जब तुम अच्छी तरह जानते हो कि मैं बुक फ्रेंडली बिल्कुल नहीं तो पहले तो तुमने मुझे किताब भेजी किस इरादे से? और दूसरे'।' 'अरे! नाहक इतना गुस्सा क्यों होते हो? आजकल बुक फ्रेंडली है ही कौन? सब फेसबुक फ्रेंडली हैं। मैं तो बस, यह कंफर्म करना चाह रहा था कि जो तुम तक मेरी किताब पहुंची होती तो अब तक तुम कभी को मेरी किताब हाथ में लिए पढऩे का नाटक करते अपना फोटो फेसबुक पर डाल चुके होते। अपने दोस्तों से एक लेखक कम से कम इतनी उम्मीद तो कर ही सकता है न! डॉंट माइंड! आज लेखक दोस्त अपनी किताब सादर, सप्रेम भेंट अपने दोस्तों को पढऩे के लिए नहीं, अपने लेखक दोस्तों की बुक के साथ फोटो खींच फेसबुक की शोभा बढ़ाने को ही देते हैं।

सच कहूं दोस्त! किसी लेखक को अपनी किताब पाठक को सच्ची में पढ़ाने पर उतनी प्रसन्नता नहीं होती जितनी अपनी किताब के साथ उसका फोटो फेसबुक पर देखकर होती है। आज का जमाना बुक को पढऩे का जमाना नहीं। बुक के साथ तस्वीर खिचवा फेसबुक पर डालने का जमाना है। यार! जानता हूं, किसी की बुक पढऩे का समय आज किसी के पास है ही कहां! इसलिए प्लीज! कम से कम बस, मेरी बुक के साथ अपनी एक संजीदा सी फोटो फेसबुक पर जितनी जल्दी हो सके डाल दो। मेरी आत्मा को बहुत शांति मिलेगी। वर्ना जब तक तुम मेरी बुक को पढऩे का अभिनय करते अपनी फोटो फेसबुक पर नहीं डालोगे, मेरी आत्मा फेसबुक पर मेरी किताब के साथ तुम्हारी फोटो देखने को तड़पती रहेगी। अमा यार! मैंने तुम्हें अपनी बुक पढऩे के लिए कतई नहीं, केवल उसके साथ तुम्हारी फोटो फेसबुक पर लगाने को भेजी है', दोस्त ने बुक को लेकर मेरा संशय दूर किया तो मैं बिना एक पल गंवाए झट एक आकर्षक गंभीर पाठक की मुद्रा में बैठा और अपने बेटे से दोस्त की किताब के साथ अपना धीर गंभीर चकाचक फोटो खिचवा इधर फेसबुक पर ज्यों ही डाला कि उधर दोस्त का फोन आया, 'थैंक्यू यार! बस इतना सा ख्वाब था!'

अशोक गौतम

RBI ने Paytm Payment Bank पर लगाई रोक, 29 फरवरी के बाद नहीं काम करेंगी ये सर्विसेज

RBI ने पेटीएम पर 29 फरवरी 2024 के बाद किसी भी ग्राहक खाते प्रीपेड उपकरण वॉलेट FASTags NCMC कार्ड आदि में किसी भी ब्याज कैशबैक या रिफंड के अलावा किसी भी जमा या क्रेडिट लेनदेन या टॉप अप करने से रोक लगा दी। बता दें कि मार्च 2022 में पीपीबीएल को तत्काल प्रभाव से नए ग्राहकों को शामिल करना बंद करने का निर्देश दिया था।

मुंबई। आरबीआई ने बुधवार को पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को 29 फरवरी, 2024 के बाद किसी भी ग्राहक खाते, प्रीपेड इंस्ट्रूमेंट्स, वॉलेट और फास्टैग में जमा या टॉप-अप स्वीकार करने से रोक दिया। पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) के खिलाफ रिजर्व बैंक की ये कार्रवाई एक व्यापक सिस्टम ऑडिट रिपोर्ट और बाहरी ऑडिटरों की अनुपालन सत्यापन रिपोर्ट के बाद हुई है।

आरबीआई ने एक बयान में कहा कि इन रिपोर्टों से बैंक में लगातार गैर-अनुपालन और निरंतर सामग्री पर्यवेक्षी चिंताओं का पता चला, जिससे आगे की कड़ी कार्रवाई की जरूरत हुई।

काम नहीं करेंगी Paytm की ये सर्विस

आरबीआई ने यह भी बताया कि 29 फरवरी, 2024 के बाद किसी भी ग्राहक खाते, प्रीपेड उपकरण, वॉलेट, FASTags, NCMC कार्ड आदि में किसी भी ब्याज, कैशबैक या रिफंड के अलावा किसी भी जमा या क्रेडिट लेनदेन या टॉप अप की अनुमति नहीं दी जाएगी। केंद्रीय बैंक ने आगे कहा कि उसके ग्राहकों द्वारा बचत बैंक खाते, चालू खाते, प्रीपेड उपकरण, फास्टैग, नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड सहित अपने खातों से शेष राशि की निकासी या उपयोग की अनुमति दी जाएगी।

नए ग्राहकों को जोड़ने पर लगाई रोक

इसके साथ ही आरबीआई ने मार्च 2022 में पीपीबीएल को तत्काल प्रभाव से नए ग्राहकों को शामिल करना बंद करने का निर्देश दिया था। आरबीआई ने पिछले साल पेटीएम पेमेंट्स बैंक को नए ग्राहक लेने से रोक दिया था और बैंक में देखी गई 'भौतिक' चिंताओं का हवाला देते हुए इसके आईटी सिस्टम के व्यापक ऑडिट का आदेश दिया था। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक ने कुछ ग्राहक अग्रिम खातों में दिन के अंत में शेष राशि की नियामक सीमा का भी उल्लंघन किया था, जो भुगतान सेवाओं का लाभ उठा रहे थे।

अंतरिम बजट में इन्फ्रा खर्च पर ध्यान केंद्रित करे सरकार

कुमार के अनुसार, अंतरिम बजट का विषय निवेश या राजकोषीय समेकन पर केंद्रित रहेगा

नीति आयोग के पूर्व वीसी राजीव कुमार ने कहा कि निजी क्षेत्र का पूंजीगत खर्च घटा है। इसके साथ ही अप्रत्यक्ष कर में वृद्धि से वित्त मंत्री राजकोषीय लक्ष्य हासिल कर लेंगी। मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान पूंजीगत व्यय में वृद्धि से इन्फ्रास्ट्रक्चर की बेहतर गुणवत्ता के परिणाम सामने आ रहे हैं और भारतीय उद्योग को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए इसकी आवश्यकता थी।

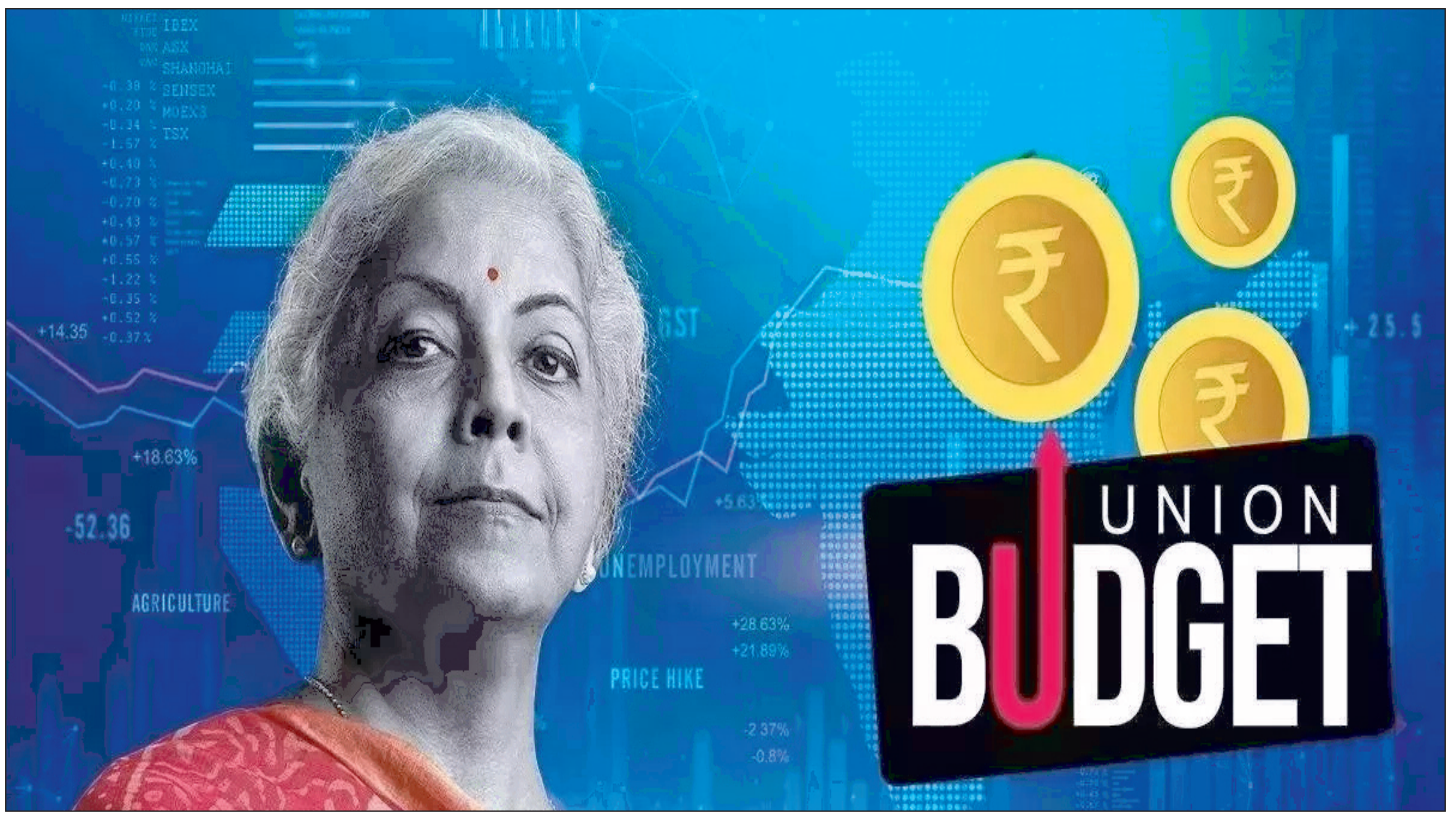

नई दिल्ली। नीति आयोग के पूर्व वाइस चेयरमैन राजीव कुमार ने बुधवार को कहा कि सरकार को अंतरिम बजट में पूंजीगत खर्च पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। इसका कारण यह है कि निजी क्षेत्र का पूंजीगत निवेश अपेक्षाकृत कमजोर रहा है और भारतीय आर्थिकी में मजबूती बनाए रखने के लिए इसकी भरपाई जरूरी है।

राजीव कुमार ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान पूंजीगत व्यय में वृद्धि से इन्फ्रास्ट्रक्चर की बेहतर गुणवत्ता के परिणाम सामने आ रहे हैं और भारतीय उद्योग को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए इसकी आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि अप्रत्यक्ष कर राजस्व में वृद्धि और प्रत्यक्ष कर का दायरा बढ़ने से वित्त मंत्री राजकोषीय समेकन लक्ष्य भी हासिल कर लेंगी।

निवेश या राजकोषीय समेकन पर क्रेंद्रित होगा बजट

कुमार के अनुसार, अंतरिम बजट का विषय निवेश या राजकोषीय समेकन पर केंद्रित रहेगा। एक साक्षात्कार में राजीव कुमार ने कहा कि आगे चलकर निजी निवेश भी बढ़ेगा और इससे सरकार पर पूंजीगत व्यय बढ़ाने का दबाव कम हो जाएगा।

पिछले वर्ष वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास पर पूंजीगत खर्च आवंटन को वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 33 प्रतिशत बढ़ाकर 10 लाख करोड़ कर दिया था। देश के मौजूदा व्यापक आर्थिक हालातों को देखते हुए कुमार ने वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की विकास दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है।

ताजा सरकारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में भारत की विकास दर 7.3 प्रतिशत रह सकती है जो वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 7.2 प्रतिशत थी।

पर्यटन उद्योग को उदार कर संरचना की उम्मीद

होटल उद्योग संगठनों ने वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में पर्यटन उद्योग के लिए उदार कर संरचना और आवंटन में बढ़ोतरी की उम्मीद जताई है। उद्योग संगठनों का कहना है कि इससे पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। हिल्टन गोवा के महाप्रबंधक अमनदीप सिंह ग्रोवर ने आशा जताई है कि बजट में पर्यटन क्षेत्र में सुधार संबंधी घोषणाएं की जा सकती हैं। हयात सेंट्रिक की महाप्रबंधक शिल्पी खन्ना का कहना है कि हमारे लिए होटल्स की संचालन लागत सबसे बड़ी चुनौती है। लागत में वृद्धि से महंगाई बढ़ने के चलते लोगों की खर्च करने की शक्ति घटेगी। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान हास्पिटेलिटी उद्योग सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ था। 2023 में इसमें सुधार हुआ है, लेकिन अभी तक पूरे नुकसान की भरपाई नहीं हो पाई है।

इनसाइड

बिजली के क्षेत्र में गेमचेंजर होगी 'पीएम सूर्योदय योजना', यहां जानें पूरी डिटेल

प्रधानमंत्री ने राम मंदिर के समारोह के खत्म होने पर एक नई योजना की घोषणा की थी। यह प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना (Pradhan Mantri Suryoday Yojana) है। इस योजना में एक करोड़ घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य रखा गया। भारत में अभी सोलर पैनल से बिजली बनाने की स्थापित क्षमता 73300 मेगावाट है। इसमें छत पर सोलर पैनल लगाकर 11080 मेगावाट बिजली बनाए जाने की क्षमता है।

नई दिल्ली। पीएम सूर्योदय योजना' को सफल बनाने के लिए केंद्र सरकार की तरफ से बहुत बड़ा अभियान शुरू किया जाएगा। यह अभियान कुछ उसी तरह का होगा जैसे पूर्व में हर घर को बिजली कनेक्शन से जोड़ने के लिए सौभाग्य योजना की शुरुआत हुई थी। इसकी बड़ी वजह यह है कि वर्ष, 2014 में आवासीय घरों की छत पर सोलर पैनल लगाकर बिजली बनाने की जो योजना लांच की गई थी वह बहुत सफल नहीं रही। इस योजना के तहत वर्ष 2022 तक देश में 40 हजार मेगावाट बिजली बनाने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन सरकार के ही आंकड़े बताते हैं कि दिसंबर, 2023 तक सिर्फ 11 हजार मेगावाट से कुछ ज्यादा बिजली बनाने की क्षमता लगाई गई है। इस गति को भांपते हुए निर्धारित वर्ष को बढ़ाकर 2026 कर दिया गया है।

2023 के दौरान भारत में 3 प्रतिशत घटी सोने की मांग, ईटीएफ से लगातार निकासी चलते कम हुई डिमांड

डब्ल्यूजीसी ने कहा कि सोने की मांग पर बढ़ती कीमतों का असर दिखा है। आपतो बता दें कि वैश्विक स्तर पर सोने की मांग पांच प्रतिशत घटकर 4448.4 टन रही गई है। अक्टूबर में कीमत में सुधार ने उपभोक्ताओं को प्रेरित किया जिससे नवंबर में दीवाली के दौरान बिक्री को बढ़ावा मिला।चौथी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2023) के दौरान सोने की कुल मांग में नौ प्रतिशत की गिरावट रही है।

मुंबई। कैलेंडर वर्ष 2023 के दौरान देश में सोने की मांग वार्षिक आधार पर तीन प्रतिशत घटकर 747.5 टन रही है, जो 2022 में 774.1 टन थी। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि कीमतों स्थिर रहती हैं और बहुत अधिक अस्थिर नहीं होती हैं तो 2024 में देश में सोने की मांग बढ़कर 800-900 टन के बीच रह सकती है।

अक्टूबर में बिक्री को बढ़ावा

डब्ल्यूजीसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 2023 के दौरान सोने की मांग बढ़ती कीमतों से काफी प्रभावित रही है। हालांकि, इस दौरान उपभोक्ता की रुचि अधिक रही लेकिन व्यापार धारणा पिछड़ गई। अक्टूबर में नवरात्र के दौरान कीमत में सुधार ने उपभोक्ताओं को प्रेरित किया, जिससे नवंबर में दीवाली के दौरान बिक्री को बढ़ावा मिला।

डब्ल्यूजीसी इंडिया के सीईओ सोमासुंदरम पीआर ने कहा कि दिसंबर में मूल्य बढ़ने से सोने की मांग एक बार फिर कम हो गई। इसका नतीजा यह रहा है कि चौथी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2023) के दौरान सोने की कुल मांग में नौ प्रतिशत की गिरावट रही है।

2023 में 5% कम हुई सोने की मांग

इसी तरह पूरे 2023 के दौरान वैश्विक स्तर पर भी सोने की मांग पांच प्रतिशत घटकर 4,448.4 टन रही है, जो 2022 के दौरान 4,699 टन रही थी। डब्ल्यूजीसी का कहना है कि एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) से लगातार निकासी के चलते वैश्विक स्तर पर सोने की मांग में कमी रही है। यूरोप में सोने की मांग में सबसे कम 180 टन रही है, जो 2013 के बाद का सबसे खराब वार्षिक प्रदर्शन है।

सरकार ने महिलाओं को दी खुशखबरी, अब पति के अलावा इन्हें भी बनाया जा सकता है पेंशन का नॉमिनी

भारत सरकार ने महिला कर्मचारियों के लिए फैमिली पेंशन के नियमों में बदलाव कर दिये हैं। अब महिला कर्मचारी पेंशन में अपने पति की जगह अपने बेटी या बेटे को नॉमिनी बना सकते हैं। सरकार ने महिलाओं को सम्मान अधिकार देने के लिए यह फैसला लिया है। बेटे या बेटी को नॉमिनी बनाने के लिए महिला कर्मचारी को आवेदन देना होगा।

नई दिल्ली। भारत सरकार ने महिला कर्मचारियों के लिए एक बड़ा एलान किया है। अब महिलाएं पेंशन में अपने पति के अलावा बेटे या बेटियों को भी नॉमिनी को बना सकते हैं। बता दें कि सरकार ने पेंशन नॉमिनी को लेकर नए नियम लागू कर दिया हैं।

डिपार्टमेंट ऑफ पेंशन एंड पेंशनर्स वेलफेयर (DOPPW) ने बताया कि केंद्र सरकार ने सिविल सर्विसेज (पेंशन) रूल्स, 2021 के नियमों में बदलाव कर दिया है।

इस नियम में यह बदलाव किया गया है कि अब गवर्मेंट सेक्टर में काम कर रही महिला कर्माचारी पेंशन में अपने बच्चों को नॉमिनी बना सकते हैं। इस नियम से पहले महिला कर्मचारी केवल अपने पति को ही नॉमिनी बना सकती थी, परंतु अब महिला कर्मचारी किसी को भी पेंशन में नॉमिनी बना सकती है।

क्यों बदला गया फैमिली पेंशन के नियम

महिला को समान अधिकार दिलाने के लिए केंद्र सरकार ने फैमिली पेंशन नियम (Family Pension Rules) में संशोधन किया है। अब नए नियम के तहत अगर महिला कर्मचारी की मृत्यु हो जाती है तो फैमिली पेंशन (Family Pension) का लाभ उनके बेटे-बेटी को मिल सकेगी।

पहले केवल महिला कर्मचारी की पेंशन उनके पति को मिलता था। हालांकि, केवल विशेष परिस्थियों में वह परिवार के किसी अन्य सदस्य को फैमिली पेंशन का नॉमिनी सेलेक्ट कर सकते हैं।

अगर किसी महिला की कोई बच्चे नहीं है तो इस स्थिति में फैमिली पेंशन का लाभ पति को ही मिलेगा।

कैसे बनाए बच्चों को नॉमिनी

फैमिली पेंशन में बच्चों को नॉमिनी बनाने के लिए महिला कर्मचारी को एक लिखित आवेदन देना होगा। इस आवेदन में उन्हें पति की जगह पर बेटे या बेटी को नॉमिनी बनाने की मांग करनी होगी। अगर बच्चा नाबालिग होता है तब उसके व्यस्क होने के बाद ही बच्चे को पेंशन का लाभ मिलेगा।

इन वजह से रिजेक्ट हो जाती है पीएम विश्वकर्मा योजना का आवेदन, जानें क्या है स्कीम का नियम व शर्तें

परिवहन विशेष न्यूज

सरकार देश के सभी वर्गों के लिए कई तरह की स्कीम चलाते हैं। पिछले साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पीएम मोदी ने पीएम विश्वकर्मा योजना का एलान किया था। इस स्कीम में नए बिजनेस को शुरू करने के लिए सरकार सस्ते दर पर लोन देती है। चलिए जानते हैं कि इस योजना के नियम व शर्तें क्या है?

नई दिल्ली। केंद्र सरकार देश के सभी वर्गों को आर्थिक सहायता देने के लिए कई तरह के स्कीम चला रही है। इन योजनाओं में से एक पीएम विश्वकर्मा योजना (PM Vishwakarma Yojana) है। यह योजना 17 सितंबर 2023 को शुरू हो गई। इस योजना में बिजनेस को शुरू करने के लिए सरकार सस्ते ब्याज दर पर लोन देती है।

इस स्कीम में पारंपरिक कौशल बढ़ाने के लिए सरकार लोन देती है। इस योजना में 3 लाख का लोन दिया जाता है। इस योजना का लाभ केवल 18 ट्रेडर्स को मिलता है।

अगर आप भी इस स्कीम का लाभ उठाने का सोच रहे हैं तो आपको इसके नियम व शर्तों को जरूर जान लेना चाहिए।

योजना के नियम व शर्तें

भारतीय नागरिक ही योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं।

सरकार द्वारा तय 18 कामों में से किसी एक पर ही लोन मिलेगा।

योजना के लिए आवेदक की उम्र 18 से 50 साल होनी चाहिए।

आवेदक के पास मान्यता प्राप्त संस्थान से स्किल सर्टिफिकेट होना चाहिए।

योजना का लाभ केवल उन आवेदक को मिलेगा जो 140 जातियों में से किसी एक जाति होगा।

पीएम विश्वकर्मा योजना का उद्देश्य

पारंपरिक कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई थी। इस स्कीम का लाभ पारंपरिक कौशल रखने वाले कारीगर जैसे सुनार, लोहार, नाई आदि को मिलता है।

इस योजना के जरिये एक तरफ नया बिजनेस को शुरू करने में आर्थिक मदद मिलती है तो दूसरी तरफ यह कारीगरों और शिल्पकारों आर्थिक मदद देता है।

इस स्कीम में दो चरणों में लोन दिया जाता है। पहले चरण में 1 लाख रुपये का तो दूसरी चरण में 2 लाख रुपये का लोन दिया जाता है। लाभार्थी को लोन पर 5 फीसदी के हिसाब से ब्याज देना होता है।

पीएम विश्वकर्मा योजना में लाभार्थी को लोन के साथ ट्रेनिंग भी दी जाती है। ट्रेनिंग के साथ ही 500 रुपये प्रतिदिन का स्टाइपेंड दिया जाता है। इसके अलावा ट्रेनिंग पूरी होने पर विश्वकर्मा सर्टिफिकेट भी दिया जाता है।

सरकार टूलकिट के तौर पर 15,000 रुपये की राशि देती है।

इन्हें मिलेगा लोन

कारपेंटर (बढ़ई)
नाव बनाने वाले
लोहार
ताला बनाने वाले
सुनार, मिट्टी के बर्तन बनाने वाले (कुम्हार)
मूर्तिकार
राजमिस्त्री
मछली का जाल बनाने वाले
टूल किट निर्माता
पत्थर तोड़ने वाले
मोची/जूता कारीगर
टोकरी/चटाई/झाड़ू बनाने वाले
गुड़िया और अन्य खिलौना निर्माता (पारंपरिक)
नाई
माला बनाने वाले
धोबी
दर्जी

कैसे करें आवेदन

आपको pmvishwakarma.gov.in पर जाना है।

अब Apply Online पर क्लिक करें।

इसके बाद रजिस्ट्रेशन करें।

अब पंजीकृत मोबाइल नंबर पर रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड को लेकर मैसेज आएगा।

इसके बाद एप्लीकेशन फॉर्म भरें।

फॉर्म भरने के बाद डॉक्यूमेंट को स्कैन करके अपलोड करें।

सभी जानकारी चेक करने के बाद सबमिट करें।

जरूरी डॉक्यूमेंट
आधार कार्ड (Aadhaar Certificate)
इनकम सर्टिफिकेट
आईडी प्रूफ
जाति प्रमाण पत्र
बैंक पासबुक
मोबाइल नंबर
एड्रेस प्रूफ
पासपोर्ट साइज फोटो

ढेंकनाल में रूंगटा पर धोखाधड़ी का आरोप, भूमिहीन दलितों का बिरोध प्रदर्शन

मनोरंजन सासमल ,
स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर : उत्पीड़ित जमींदारों ने रूंगटा माइंस के नाम पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है, जिसकी ढेंकनाल में एक फैक्ट्री है। ढेंकनाल ओडापाड़ा ब्लॉक के अंतर्गत मेरामुंडली दलित बस्ती कॉलोनी के 22 परिवारों ने विरोध प्रदर्शन किया है। राज्य सीपीएम संपादक बद्रीनारायण दास और् समाजबादि नेता सरोज्‍ सतपथि के नेतृत्व में परिवार सदस्य ने मंगलवार को ढेंकनाल जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया ।इस संबंध में शिकायत करते हुए जिला कलक्टर को ज्ञापन दिया गया है।

उनकी शिकायत थी कि रूंगटा फैक्ट्री के विस्तार के लिए इस कॉलोनी की 7 एकड़ जमीन फैक्ट्री ने हड़प ली है । उन्होंने निर्दोष उत्पीड़कों को यह सोचकर दियेथे कि उन्हें कारखाने में नौकरियाँ मिलेंगी, सड़कें, स्कूल आदि की सुविधा मिलेगी। तमाम नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए उन्होंने सबसे पहले फैक्ट्री के निचले तबके के एक दलित दलाल के माध्यम से जगह खरीदी। ऐसा प्रतीत होता है कि फ़ैक्टरी ने बाद में साइट पर कब्ज़ा कर लिया है। लेकिन भूमिहीनों को न तो रोजगार मिला और न ही कोई अवसर । हालांकि कुछ परिवारों ने अपनी जगह पर कब्जा कर लिया, लेकिन उन्होंने विरोध किया और फैक्ट्री अधिकारियों ने उन्हें पर झूठ आरोप लगाया ।

सैणचा भगत परिवार वार्षिक स्नेह मिलन समारोह में प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

पारंपरिक वेशभूषा में घूमर नृत्य से सजा स्नेह मिलन

परिवहन विशेष जगदीश सीरवी

बेंगलूरु। तुमकुर रोड स्थित रेजिडेंसी रिसोर्ट में रविवार को सैणचा (भगत) परिवार का तीसरा वार्षिक स्नेह मिलन समारोह मनाया गया। कार्यक्रम में कर्नाटक होसूर शहर के साथ ही राज्य के अनेक प्रमुख शहरों से प्रवासी सैणचा (भगत) ग्रामवासी सपरिवार शामिल हुए। सर्वप्रथम श्री जानरायजी(राधा कृष्ण) की स्तुति पूजा- अर्चना, मंगल आरती की गई। संस्था के अध्यक्ष मोहनलाल सैणचा ने स्वागत किया। सचिव पन्नालाल सैणचा ने समाज से संगठित होकर गांव एवं समाज के विकास संस्थान पिपलाद के लिए काम करने का आहान किया। समारोह में श्री जानरायजी भगवान विकास संस्थान पीपलाद एम्बुलेंस के लिए समाज बंधुओ ने बोलियों में बढ़ -चढ़कर भाग लिया। राजस्थान से आए बुजुर्गो और अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। होसूर से पधारे रूपाराम सैणचा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बालिका दो घरों को रोशन करती है। इसलिए बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए। कोषाध्यक्ष वचनाराम सैणचा ने युवाओ को खेलकूद एंव शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। समारोह में 5 वीं कक्षा एंव उसके आगे की कक्षा के बालक बालिकाओं ने 80 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पारितोषिक प्रदान कर सम्मानित किया गया। दिनभर चले स्नेह-मिलन समारोह में जहां गांव के बड़े-बुजुर्ग

सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करने में व्यस्त रहे, वहीं युवाओं व बच्चों ने खेलों का लुत्फ उठाया। पुरुषों व महिलाओं ने गीत-संगीत व नृत्य के से मनोरंजन किया। इस कार्यक्रम में महाप्रसादी का आयोजन रखा गया ।इस अवसर पर स्नेह मिलन की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस मौके पर अमराराम सेंणचा मलवली, मांगीलाल सैणचा, शिवलाल सैणचा, वेनाराम सैणचा, अमराराम सैणचा, सुरेश सैणचा, उम्मेद राम सैणचा, शेषाराम सैणचा सहित बड़ी संख्या में सैणचा भगत परिवार के लोग मौजूद रहे।

पुलीस मित्र संगठन नई दिल्ली भारत की तरफ से रक्तदान शिविर का आयोजन

परिवहन विशेष जगदीश सीरवी, महाराष्ट्र पुणे पिंपरी। चिंचवड कासरवाडी में पुलीस मित्र संगठन नई दिल्ली भारत इस संगठन के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, पुलीस मित्र संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारी व महाराष्ट्र प्रदेश पदाधिकारी और सदस्यों के द्वारा बढ़ चढ़कर रक्तदान किया गया, छत्रपती शाहू महाराज इंग्लिश मीडियम स्कूल के व संजीवनी ब्लड बैंक के सहयोग से 78 युनिट रक्तदाताओ के द्वारा रक्तदान किया गया, इस आयोजन मे पुलीस मित्र संगठन नई दिल्ली भारत संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोषदादा चौधरी, राष्ट्रीय प्रवक्ता विश्वास गजरमल, राष्ट्रीय सदस्य व दिल्ली प्रभारी रामेश्वर शिंदे राष्ट्रीय सचिव शेतकरी विभाग बालासाहेब तिरखुडे पाटील, राष्ट्रीय सदस्य व उपाध्यक्ष महाराष्ट्र प्रदेश उमेद सुथार , पुणे जिल्हा अध्यक्ष एजाज शेख, पुणे जिल्हा महिला अध्यक्ष अमरीन पटेल, पुणे जिल्हा उपाध्यक्ष सिकंदर पटेल ,पुणे जिल्हा कार्याध्यक्ष रतनसिंह राजपुरोहित, वेल्हा तालुका अध्यक्ष योगेश कोकाटे पिंपरी चिंचवड उपाध्यक्ष राहुल चव्हाण ,पिंपरी चिंचवड शहर महिला अध्यक्ष विना पिछाडीया, पिंपरी चिचवड शहर महिला उपाध्यक्ष सुनिता अग्रवाल ,पुणे जिल्हा सभासद,शेखर पवार, उदय भौसले, सुनीता आल्हाट , विजया जांभळे, पूनम गर्ग, सौदामिनी, युसूफ पटेल, देवानंद लाहोरे, अमीन पटेल, आदी पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे ।

कमारेड्डी नगर पालिका स्वच्छता कर्मचारियों के वेतन व अन्य मुद्दों को लेकर नगर पालिका अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

परिवहन विशेष न्यूज जगदीश सीरवी

कमारेड्डी नगर पालिका स्वच्छता कर्मचारियों के वेतन व अन्य मुद्दों को लेकर कल कामारेड्डी विधायक कैम्प कार्यालय में धरना प्रदर्शन के अवसर पर आज नगर पालिका अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई।

तेलंगाना कमारेड्डी नगर पालिका स्वच्छता कर्मचारियों के वेतन व अन्य मुद्दों को लेकर कल कामारेड्डी विधायक कैम्प कार्यालय में धरना प्रदर्शन के अवसर पर आज नगर पालिका अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई।

बैठक के बाद कटीपल्ली वेंकट रमना रेड्डी गरु ने नगर निगम के कर्मचारियों से बात की और कहा कि समस्या बहुत जल्द हल होगी। मीडिया से बात करते हुए मैंने अधिकारियों से कहा कि नगर निगम कर्मचारियों के वेतन का जल्द भुगतान करने के लिए कदम उठाए, कमारेड्डी में अगले गर्मियों में बिना पानी की किल्लत के योजना बनाई जाए, कमारेड्डी के व्यापक विकास के लिए नगर पालिका अध्यक्ष व पार्षदों के साथ बैठक कर तैयार की जाएगी भविष्य के लिए। सरकारी अधिकारी, नगर पालिका अध्यक्ष, पार्षद सभी ने मिलकर कहा कामारेड्डी नगर को विकास की राह पर आगे बढ़ाएंगे।

9 फरवरी से ओडिशा बीजेपी का गांव चलो अभियान

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेस्वर *: 9 फरवरी से ओडिशा बीजेपी चल्ला अभियान शुरू करेगी । इस अभियान में पार्टी पिछले 10 वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी देगी । प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष गोलक महापात्र ने कहा कि राज्य में पार्टी की वोट दर को 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ाने के लक्ष्य के साथ अभियान शुरू किया जाएगा ।उन्होंने कहा कि इस अभियान के दौरान पार्टी नेता 1 करोड़ से ज्यादा लोगों से बात करेंगे ।अभियान के दौरान पार्टी के विधायकऔर सांसद एक दिन एक गांव में बिताएंगे और लोगों को केंद्रीय योजना के बारे में बताएंगे ।*

"संध्या वंदन"

संध्या वंदन को संध्योपासना भी कहते है. यह समय मौन रहने का भी है .इस समय अपने ‘इष्ट प्रभु’ के दर्शन मात्र से मन और शरीर के सारे संताप मिट जाते है।

संध्या वंदन के चार प्रकार है- प्रार्थना-स्तुति, ध्यान-साधना, कीर्तन-भजन और पूजा-आरती

1-प्रार्थना- :
संधिकाल में की जाने वाली प्रार्थना को संध्या वंदन उपासना, आराधना भी कह सकते हैं.इसमें ईश्वर के प्रति कृतज्ञता और समर्पण का भाव व्यक्त किया जाता है. प्रार्थना एकदम शांत चित्त भाव से की जाती है। इसमें किसी तरह का कोलाहल नहीं होता। इसमें शांत भाव व एकांत स्थान ज्यादा उत्तम होता है।

2- .ध्यान- :
ध्यान का अर्थ केवल एकाग्रता नहीं होता,ध्यान का मूलत: अर्थ है जागरूकता,अवेयरनेस।
ध्यान का अर्थ ध्यान देना, हर उस बात पर जो हमारे जीवन से जुड़ी है.। ध्यान के अलग-अलग संतो ने अलग-अलग तरीके बताए हैं लेकिन शांत चित्त व सीधे बैठ कर अपनी आती-जाती सांसों पर ध्यान केंद्रित करना यह भी ध्यान का एक उत्तम तरीका है।

3-कीर्तन- :
ईश्वर, भगवान या गुरु के प्रति स्वयं के समर्पण या भक्ति के भाव को व्यक्त करने का एक शांति और संगीतमय तरीका है कीर्तन. इसे ही भजन कहते हैं.भजन करने से शांति मिलती है।
ईश्वर के चरित्र का गुणगान करना, ईश्वर के प्रति गाकर अपनी कृतज्ञता व्यक्त करना यह सब भजन ही है।।

4-पूजा-आरती- :
पूजा करने के पुराणिकों ने अनेकों तरीके विकसित किए है. पूजा किसी देवता या देवी की मूर्ति के समक्ष की जाती है जिसमें प्रसाद,गुड़, कुमकुम, चावल, घी, धूप, कपूर, इत्यादि दी जाती है, फिर धूप,दीप, कपूर से पूजा करके उक्त देवता की आरती उतारी जाती है।।

यह हमारी सनातन संस्कृति में संध्या वंदन के कुछ तरीके हैं जिसे हमें नित्य करने चाहिए।
संध्या के समय किसी भी तरह का अनर्गल वार्तालाप, विवाद, भोजन, पढ़ना- लिखना, या किसी भी तरह का कोई कार्य करना वर्जित माना गया है।।

आमजन को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से जोड़ने का कार्य करेंगे प्रवासी कार्यकर्ता - भडाना

भाजपा जिले में 9 से 11 फरवरी तक चलाएगी गांव चलो अभियान, कार्यशाला आयोजित

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी आगामी लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए गांव चलो अभियान प्रारंभ करने जा रही है ।इसी के तहत भाजपा जिला कार्यालय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन ओबीसी मोर्चा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश भडाना के मुख्य आतिथ्य, जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा की अध्यक्षता एवं अभियान के जिला संयोजक वेद प्रकाश खटीक, सह संयोजक अमित सारस्वत, अमरसिंह चौहान की विशिष्ट उपस्थिति में हुआ।

जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि मुख्य अतिथि ओमप्रकाश भडाना ने कार्यशाला के संभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान प्रदेश में 9 से 11 फरवरी तक चलने वाले गांव चलो अभियान का उद्देश्य प्रवासी के रूप में गांवों में जाकर रात्रि विश्राम करना व केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर ग्रामीणों को जागरूक करना एवं वंचित पात्र व्यक्तियों को योजनाओं से जोड़ने का कार्य करना है। जिले में निवासरत प्रदेश पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, जिलाध्यक्ष, पदाधिकारी

एवं वरिष्ठ नेता भी गांवों में प्रवास करेंगे ।

जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने कहा कि भाजपा द्वारा चलाए जा रहे अभियानों को सफल बनाना है और 2024 में एक बार पुनः नरेंद्र मोदी को देश के प्रधानमंत्री के रूप में देखने के लिए एकजुट होकर पार्टी के हाथ मजबूत करने है। अभियान के जिला संयोजक वेदप्रकाश खटीक ने कहा कि जिले में 2000 ग्रामीण व नगरीय बूथों में लगभग 2500 कार्यकर्ता प्रवास करेंगे। अभियान के प्रथम चरण में मंडल स्तर पर संयोजक व सहसंयोजक बनाने का कार्य किया जा चुका है। दूसरे चरण में प्रवासी के रूप में गांव में पहुंचने वालों का चयन किया जा रहा है। तीसरे चरण में अभियान के संदर्भ में समीक्षा बैठक का आयोजन सभी मंडलों में किया जाएगा ।सह संयोजक अमित सारस्वत ने अभियान के तहत संयोजकों एवं सहसंयोजकों द्वारा किए जाने वाले करणीय कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। सहसंयोजक अमरसिंह चौहान ने भी विचार व्यक्त किए ।

कार्यशाला के अंत में प्रश्न उत्तर सत्र में संभागीयों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया, साथ ही सभी संभागियों को नमो एप एवं सरल एप भी डाउनलोड करवाई गई ।कार्यशाला में जिला सोशल मीडिया सह संयोजक मीनाक्षी नाथ सहित जिले के विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष, विस्तारक, गांव चलो अभियान के मंडलों के संयोजक , सहसंयोजक, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संगम विश्वविद्यालय में एकेडमिक काउंसिल की मीटिंग का आयोजन

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। स्थानीय संगम विश्वविद्यालय भीलवाड़ा में एकेडमिक काउंसिल मीट संपन्न हुई।रजिस्ट्रार प्रोफेसर राजीव मेहता ने सभी संकायों के डीन ,डिप्टी डीन ,डायरेक्टर ,डिप्टी डायरेक्टर और एक्सटर्नल अतिथियों का स्वागत कर मीटिंग को विधिवत्त प्रारंभ किया । कुलपति प्रोफेसर करुणेश सक्सेना ने अपने अध्यक्ष्य उद्बोधन में इंडियन नॉलेज सिस्टम के ऊपर अपना व्याख्यान दिया।

उन्होंने बताया कि भारतीय ज्ञान पद्धति पुरातन समय से विश्व गुरु के रूप में स्थापित हो रही है तथा पूर्व समय में नालंदा और तक्षशिला विश्वविद्यालय में दी जाने वाली शिक्षा विद्यार्थियों को उन्हें अपने क्षेत्र में दक्ष बनाती थी,आने वाले समय में संगम अपने सभी संकायों में यह ज्ञान पद्धति लागू कर विद्यार्थियों को इसका लाभ उठाने के लिए प्रेरित करें। प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर मानस रंजन पाणिग्रही ने एजुकेशन टेक्नोलॉजी ,वोकेशनल स्टडीस और एमबीए एग्जीक्यूटिव कार्यक्रमों का प्रस्ताव रखा जो नए सत्र में संगम विश्वविद्यालय में प्रारंभ किए जाएंगे। परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर जग भूषण ने इस सत्र के यूजी, पीजी और विधि के छात्रों को दी जाने वाली डिग्री ,डिप्लोमा सर्टिफिकेट आदि की जानकारी दी। इसी कड़ी में संगम विश्वविद्यालय को बैचलर आफ फिजियोथैरेपी प्रोग्राम सेशन 23-24 में जोधपुर हाई कोर्ट द्वारा परमिशन मिलने पर कुलपति प्रोफेसर सक्सेना ने सभी को बधाई दी !कार्यक्रम के अंत में प्रो वीसी प्रोफेसर मानस रंजन ने सभी का धन्यवाद किया।

संभागीय आयुक्त श्री महेश चंद्र शर्मा ने पुलिस महानिरीक्षक श्रीमती लता मनोज कुमार के साथ शाहपुरा एसडीएम कार्यालय का किया निरीक्षण

ज़िले में चल रहे अवैध खनन पर सख़्त कार्रवाई करने के लिए संभागीय आयुक्त तथा पुलिस महा निरीक्षक ने ज़िला कलेक्ट्रेट में बैठक लेकर संबंधीत विभाग को दिए प्रभावी निर्देश

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

शाहपुरा। संभागीय आयुक्त महेश चंद्र शर्मा ने बुधवार को उपखण्ड कार्यालय शाहपुरा का निरीक्षण किया ।संभागीय आयुक्त शर्मा ने ज़िला कलेक्ट्रेट के सभागार में ज़िले के विभिन्न विभागों के अधिकारियो की बैठक भी ली । बैठक के दौरान संभागीय आयुक्त तथा पुलिस महा निरीक्षक ने ज़िले में चल रहे अवैध खनन पर संबंधित विभाग को सख़्त कार्रवाई करने के दिशा निर्देश प्रदान किए ।एसडीएम कार्यालय के निरीक्षण के दौरान संभागीय आयुक्त महेश चंद्र शर्मा ने उपखण्ड कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का गहनता से निरीक्षण किया और उपखण्ड अधिकारी को राजस्व मामलों को प्राथमिकता के आधार पर नियमित सुनवाई करते हुए निस्तारित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कार्यालय से संबंधित विभिन्न लंबित कार्यों के निस्तारण के बारे में चर्चा की और आवश्यक निर्देश दिए। इससे पहले संभागीय आयुक्त शर्मा ने एसडीएम कार्यालय के विभिन्न दस्तावेजों की जांच और रखरखाव की व्यवस्था की जांच की।

निरीक्षण दौरान पुलिस महानिरीक्षक लता मनोज कुमार , जिला कलक्टर टीकम चन्द बोहरा और अतिरिक्त ज़िला कलेक्टर मुकेश कुमार मीणा तथा संबंधित उपखण्ड अधिकारिगण साथ रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023